RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 319 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 17-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 युवाओं का भविष्य 'लॉक' करने वाले प्रधान का इस्तीफा लें प्रधानमंत्री: खरगे

6 चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

7 बचत और सही निवेश से ही मिलेगी आर्थिक सुरक्षा : हेली शाह

फर्स्ट टेक

ब्रिटेन ने रूस के गुप्त बेड़े के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाए

लंदन/भाषा। ब्रिटेन ने मंगलवार को रूस के तेल टैंकर के गुप्त बेड़े के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की। ब्रिटेन की यह घोषणा एक भारतीय कैप्टन पर पश्चिमी प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन का आरोप लगने के एक दिन बाद आई है। अजय पंत (38) को राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) ने ब्रिटिश सशस्त्र बलों के साथ मिलकर चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान गिरफ्तार किया। यह अभियान इंग्लिश चैनल में रूस के गुप्त बेड़े के एक तेल टैंकर को रोकने के लिए किया गया था।

पराली जलाने को रोकने को एक समग्र योजना बनाएगी सरकार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि सरकार पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए एक समग्र योजना तैयार करेगी, जिससे पर्यावरण और मिट्टी की सेहत पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम किया जा सके। चौहान ने इस मुद्दे पर पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक की, जिसमें दिल्ली-एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सुधारने तथा फसल अवशेष प्रबंधन के उपायों पर चर्चा की गई। पराली जलाना दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। सोशल मीडिया पर साझा एक संदेश में चौहान ने कहा, हमने तय किया है कि धान की बुवाई के समय से ही ऐसी योजना बनाई जाएगी, जिससे पराली जलाने की घटनाओं को रोका जा सके।

विवादित दक्षिण चीन सागर में तनाव को लेकर यूरोप चिंतित : जर्मन राष्ट्रपति

मनीला/एपी। जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर ने मंगलवार को फिलीपीन में कहा कि यूरोप दक्षिण

चीन सागर में बढ़ते तनाव को लेकर चिंतित है, जहां किसी बड़े टकराव से नौवहन की स्वतंत्रता को खतरा उत्पन्न हो सकता है, जैसा कि हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य में हुआ था। स्टीनमीयर मनीला में फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ थे। स्टीनमीयर फिलीपीन की राजकीय यात्रा पर है। स्टीनमीयर ने ईरान युद्ध के परिणामस्वरूप होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध का उल्लेख करते हुए कहा कि यूरोपीय नेता दक्षिण चीन सागर में जारी क्षेत्रीय टकरावों को लेकर चिंतित हैं, विशेष रूप से फिलीपीन और चीन के बीच। अमेरिका दक्षिण चीन सागर पर किसी प्रकार का दावा नहीं करता, लेकिन उसने कई बार चेतावनी दी है।

सूर्यास्त 17-06-2026	सूर्योदय 18-06-2026
6:36 बजे	5:43 बजे

BSE	NSE
76,808.48	23,989.15
(+544.15)	(+135.25)

सोना	चांदी
15,586 रु.	259,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ये राजनीति वाले

राजनीति करने वाले क्या,
हैं जनसेवक सब सच्चे?
कैसे कुछ सालों में होते,
इन के सारे ही दिन अच्छे?
सेवा की सेवादारी लख,
धनपति भी खा जाते गच्चे।
इन सब को देख-देख करके,
उड़ते जन गण के परखच्चे।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी7 नेताओं से कहा

विश्व को एकजुटता और समानता पर आधारित साझेदारी की ओर बढ़ना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इविन लेस बेंस (फ्रांस)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जी7 नेताओं से कहा कि विश्व को ''दानदाता और प्राप्तकर्ता'' के दृष्टिकोण से आगे बढ़कर एकजुटता और समानता पर आधारित साझेदारी की ओर बढ़ना चाहिए।

'नई साझेदारियां तैयार करने और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को फिर से बनाने' के विषय पर यहां आयोजित संपर्क सत्र में मोदी ने विशेष रूप से आज की तेजी से आपस में जुड़ती जा रही दुनिया में अंतरराष्ट्रीय साझेदारी बनाने में ''विश्वास'' के महत्व पर भी जोर दिया।

मोदी ने कहा कि भारत ने हमेशा 'मानवता सबसे पहले' के नजरिये को अपनाया है, जो भारत की अगुवाई वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, मिशन लाइफ और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहल में प्रदर्शित होता है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को लेकर भारत का नजरिया 'वसुधैव कुटुंबकम' की सदियों पुरानी सोच पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ''सतत और समावेशी वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।''

समुद्री मार्ग नाविकों के लिए सुरक्षित रहने चाहिए : मोदी

एवियॉन (फ्रांस)/भाषा। ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना के हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के कुछ दिनों बाद, मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत जी7 नेताओं की बैठक में कहा कि सभी देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समुद्री मार्ग सुरक्षित रहें और नाविक बिना किसी डर के अपना काम कर सकें।

जी7 शिखर सम्मेलन के संपर्क सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री व्यापार में रुकावटों से वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है और कई भारतीय नागरिकों की जान गई है। पिछले हफ़्ते ओमान के तट पर एक वाणिज्यिक जहाज पर अमेरिकी सेना के हमले में चालक दल के तीन भारतीय सदस्यों की मौत के बाद भारत में बढ़ते गुस्से के बीच, मोदी ने समुद्री यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर ज़ोर दिया। मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अपनी द्विपक्षीय बातचीत से एक दिन पहले यह मुद्दा उठाया। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, हम पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों में हुई प्रगति का स्वागत करते हैं।

ट्रंप ने रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने के संकेत दिए

एवियॉन (फ्रांस)/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके साथी जी7 नेताओं ने यूक्रेन में चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध को मंगलवार को एक बार फिर अपने एजेंडे में शीर्ष पर लाने का फैसला किया। यही नहीं, ट्रंप ने रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति पर फिर से प्रतिबंध लगाने के संकेत भी दिए। ट्रंप ने कहा कि वह अब यूक्रेन पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, क्योंकि ईरान का मुद्दा जल्द ही पीछे छूट जाएगा। जैसे-जैसे होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आवाजाही बढ़ेगी, प्रतिबंधों को फिर से लागू किया जा सकता है।

आरएसएस से हिंदू धर्म को खतरा : कांग्रेस

'पंजीकरण नहीं होने का कारण बताएं भागवत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पंजीकरण नहीं होने के संदर्भ में मोहन भागवत के एक हालिया बयान को लेकर मंगलवार को कहा कि हिंदू धर्म को संघ से खतरा है और भागवत को पंजीकरण नहीं होने का असली कारण बताना चाहिए।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक वीडियो जारी कर यह दावा भी किया कि आरएसएस खुद को सांस्कृतिक संगठन बताता है लेकिन तमाम राजनीतिक और अंडरग्राउंड गतिविधियों में शामिल रहता है। उन्होंने कहा, मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस पंजीकृत संगठन नहीं है क्योंकि हिंदू धर्म भी तो पंजीकृत नहीं है। यह सुनकर बहुत भद्दा लगा। कहां हिंदू धर्म और कहां यह दो कौड़ी का संगठन।

कांग्रेस नेता का कहना है, एक छोटे दुकानदार को भी अपना पंजीकरण कराना पड़ता है। क्या कल वह यह कह सकता है कि मैं भी पंजीकरण नहीं कराउंगा क्योंकि हिंदू धर्म का पंजीकरण नहीं हुआ है? उन्होंने कहा, मोहन भागवत जी, क्या गली का क्रिकेटर कर सकता कि वह सुनील गावस्कर है, क्या अन्ना हजारे का सकते हैं कि वह महात्मा गांधी हैं? उन्होंने कहा कि भागवत को आरएसएस के पंजीकरण नहीं होने का कारण बताना चाहिए।

खेड़ा ने कटाक्ष करते हुए कहा, आरएसएस के लोग कहते हैं कि वो हिंदू धर्म की रक्षा करेंगे, जबकि उनके सरसंघचालक को अपनी रक्षा के लिए जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा चाहिए। और ये लोग चले हैं हिंदू धर्म की रक्षा करने। उन्होंने कहा, भागवत जी हिंदू धर्म को आपकी जरूरत नहीं है, आप हिंदू धर्म से दूर रहिए।

तमिलनाडु के वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी किया

तमिलनाडु पर 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज : मैरी विल्सन

पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने मंगलवार को राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी किया और पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि राज्य का कर्ज बढ़कर लगभग 10 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

विल्सन ने राज्य सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एक अप्रैल, 2021 को तमिलनाडु पर 5.13 लाख करोड़ रुपए देनदारी थी लेकिन यह 31 मार्च, 2026 तक बढ़कर करीब 10 लाख करोड़ रुपए हो गई जो सालाना 14.3 प्रतिशत की चक्रवृद्धि बढ़ोतरी है। यह अधिकांश वर्षों में मौजूदा कीमतों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की वृद्धि दर से अधिक रही।

पिछले महीने सत्ता संभालने वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार के वित्त मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक उपक्रमों के कर्ज को शामिल करने पर राज्य का 'वास्तविक' कर्ज बोझ 13.18 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाता है।

श्वेत पत्र के मुताबिक, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के दौरान राज्य का बकाया कर्ज लगभग दोगुना हो गया, ब्याज भुगतान निवेश को सीमित कर रहा है, राजस्व घाटा संरचनात्मक बन गया है और राज्य का कर संग्रह प्रयास कमजोर पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में ऋण एवं जीएसडीपी का अनुपात 28.3 प्रतिशत पर बना रहा और प्रति व्यक्ति देनदारी भी बढ़कर 1,28,934 रुपए हो गई, जो समकक्ष राज्यों की तुलना में अधिक है।

दिल्ली में पाकिस्तान से जुड़े

आतंकी-अपराधी मॉड्यूल का भंडाफोड़, सात लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सक्रिय पाकिस्तान से जुड़े कथित आतंकी और संगठित अपराध मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर सीमा पार बैठे आकाओं के इशारे पर दिल्ली-एनसीआर में हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी करने का आरोप है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी कथित तौर पर पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी अजमल गुज्जर के लिए काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गिरोह क्षेत्र में अवैध हथियार, कारतूस और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल था। उन्होंने कहा कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के रहने वाले मोहित उर्फ योगी (26), अनस उर्फ अनस त्यागी (26), दीपक अगरोला (38), आरिफ (30), जतन (29), साबिर (30) और पंजाब में फतेहगढ़ निवासी करनवीर सिंह (26) के तौर पर हुई है।

नीट-यूजी की पुन:परीक्षा से पहले भारत में

'टेलीग्राम' ऐप पर अस्थायी प्रतिबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ 22 जून 2026 तक भारत में टेलीग्राम मंच तक पहुंच पर निर्धारित और सीमित अवधि के लिए लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 की पुन: परीक्षा से पहले मंगलवार को 'टेलीग्राम' ऐप पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि यह कदम नकल कराने वाले गिरोहों और दुष्प्रचार से निपटने के लिए उठाया गया है।

एनटीए महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि 22 जून तक टेलीग्राम पर रोक यह सुनिश्चित करने के लिए लगायी गयी है कि 21 जून को होने वाली पुन: परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी के हो। इस कदम के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम कुछ भी गलत नहीं होने देंगे। हम यह पक्का करने के लिए हर मुमकिन कदम उठाएंगे कि परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी के हो।''

एनटीए की सिफारिशों पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के तहत एक निर्देश जारी करके 22 जून 2026 तक भारत में टेलीग्राम मंच तक पहुंच पर निर्धारित और सीमित अवधि के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इसी अवधि में नीट (यूजी) 2026 की पुन:परीक्षा है।

एनटीए ने एक बयान में कहा कि एक अलग निर्देश के तहत टेलीग्राम को भारत में पहले से पोस्ट किए जा चुके संदेशों में संशोधन की सुविधा 30 जून 2026 तक बंद करनी होगी। एजेंसी के अनुसार, यह कदम मंच की उस विशेष तकनीकी सुविधा को ध्यान में रखकर उठाया गया है, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के संबंध में बाद में ''प्रश्नपत्र लीक'' के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया गया है। एनटीए ने कहा, ''दोनों कदम जन व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाए गए हैं। इनका उद्देश्य 21 जून, 2026 को होने वाली नीट (यूजी) 2026 की पुन:परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को ठगने से नकल माफियाओं द्वारा टेलीग्राम मंच के संगठित इस्तेमाल पर रोक लगाना है।''

गूगल ने टेलीग्राम को प्ले स्टोर से हटाया

नई दिल्ली/भाषा। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक एवं अन्य गड़बड़ियां रोकने के लिए सरकार के आदेश पर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। मंच के संस्थापक एवं सीईओ पावेल दुरोव ने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि इससे समस्या खत्म नहीं होगी क्योंकि अपराधी दूसरे मंचों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब परीक्षा संबंधी अनियमितताओं को रोकने के लिए सरकार से आदेश मिलने के बाद गूगल ने अपने प्ले स्टोर से टेलीग्राम ऐप को हटा दिया है। सूत्रों के अनुसार, एप्पल भी जल्द इस आदेश का पालन कर सकती है। दुरोव ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत में लगभग 15 करोड़ उपयोगकर्ताओं पर यह रोक असर डाल रही है।

गोयल ने फ्रांस के नीस शहर में यूपीआई की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने मंगलवार को फ्रांस के नीस शहर में एक प्रतिष्ठित डिपार्टमेंटल स्टोर में एकीकृत भुगतान प्रणाली यूपीआई की शुरुआत की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'गैलेरी लाफायेत' स्टोर में इस भुगतान सेवा की शुरुआत करते हुए कहा कि इससे भारत-फ्रांस के बीच आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी सहयोग मजबूत होगा तथा दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रमुख खुदरा बिक्री केंद्रों में से एक पर यूपीआई की शुरुआत इसके वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गोयल ने कहा, ''इस पहल में लायरा कलेक्ट और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड की भागीदारी है, जो भारत की भरोसेमंद एवं सुगम डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को वैश्विक स्तर पर पेश करती है।'' गैलेरी लाफायेत का यह स्टोर नीस शहर के प्रमुख स्थल प्लेस मस्सेना के नजदीक स्थित है और यहां 600 से अधिक ब्रांड उपलब्ध हैं।

ईमानदारी मोदी सरकार की सोच से परे हैं : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोटा में छात्र सम्मेलन से एक दिन पहले मंगलवार को आरोप लगाया कि जिम्मेदारी और ईमानदारी मोदी सरकार की सोच से परे हैं।

गांधी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) परीक्षा के पेपर लीक, भारतीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और बेरोजगारी के विषयों को लेकर छात्र सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसकी शुरुआत 17 जून को कोटा से होगी। इसके बाद प्रयागराज, पटना और दिल्ली में छात्र सम्मेलनों का आयोजन होगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेरे युवा और जेन जी साथियों, एक बात मेरे मन में साफ़ है और आप भी इसे दिल में बैठा लीजिए, भारत के हर युवा का भविष्य सुरक्षित करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। पर ज़िम्मेदारी और ईमानदारी, दोनों मोदी सरकार की सोच से परे हैं।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि वह (सरकार) पेपर लीक, परीक्षा कुप्रबंधन, रद्द होती भर्तियां, आसमान छूती फीस, निजीकरण, घोटाले से हर दिन करोड़ों सपने तोड़ रही है।

चीन के किंघाई प्रांत में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया

बीजिंग/भाषा। चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांत किंघाई के हैक्सी में मंगलवार को 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) ने यह जानकारी दी।

इसमें किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की अभी तक कोई सूचना नहीं है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की एक खबर में सीईएनसी की एक रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 5:06 बजे आया। भूकंप का केंद्र 37.80 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 95.56 डिग्री पूर्वी देशांतर पर जमीन से 10 किलोमीटर नीचे स्थित था।

ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे, न आज और न कल : नेतन्याहू

यरुशलम/भाषा। इजराइल में अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर बढ़ती नाराजगी के बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने कदमों का बचाव करते हुए कहा कि ''ईरान को समझौते के साथ या उसके बिना भी परमाणु हथियार नहीं मिलेंगे।''

नेतन्याहू ने सोमवार शाम आयोजित एक संक्षिप्त संवाददाता सम्मेलन में हिब्रू भाषा में कहा, ''ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे, न आज और न कल।'' उन्होंने कहा, ''लोग मुझसे पूछते हैं कि हमने क्या हासिल किया है? मेरा जवाब है कि हमने अपने

ऊपर मंडरा रहे विनाश के तत्काल खतरे को टाल दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने इजराइल राष्ट्र को पूर्ण विनाश के खतरे से बचाया है।''

प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्हें विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगियों की भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार नफ्ताली बेनेट ने इससे पहले संवाददाताओं से कहा कि नेतन्याहू सरकार का कार्यकाल ''गृहयुद्ध जैसी स्थिति'' से शुरू हुआ, सात अक्टूबर के नरसंहार की घटनाओं के बीच आगे बढ़ा और अब ईरान के मुद्दे पर ''ऐतिहासिक विफलता'' के साथ समाप्त हो रहा है।

बेनेट ने इजराइल की सुरक्षा बहाल करने का वादा करते हुए कहा कि यदि वह सत्ता में होते तो वे कूटनीतिक स्तर सहित हर मामले में अलग तरीके से काम करते।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से 60 लाख लोग लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत 18 लाख से अधिक महिलाओं सहित पहली बार काम करने वाले लगभग 60 लाख कर्मचारियों को लाभान्वित किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पीएम-वीबीआरवाई केंद्र सरकार की रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना है, जो एक अगस्त, 2025 से लागू की गई थी। इस योजना का लाभ 31 जुलाई, 2027 तक दिया जाएगा। योजना को श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के माध्यम से लागू किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि 99,446 करोड़ रुपए के बजट के साथ यह योजना देश में दो वर्षों की अवधि में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसका लक्ष्य रोजगार आधारित विकास के माध्यम से आर्थिक वृद्धि को तेज करना है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईपीएफओ के आंकड़ों के मुताबिक अब तक पहली बार नौकरी पाने वाले 60 लाख कर्मचारी इस योजना से जुड़े हैं। इनमें से लगभग 71 प्रतिशत (करीब 43.26 लाख) कर्मचारी 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के हैं।

महिला भागीदारी भी उल्लेखनीय रही है, जिसमें 18.04 लाख महिलाएं पहली बार औपचारिक रोजगार में शामिल हुई हैं, जो कुल लाभार्थियों का लगभग 30 प्रतिशत है।

नीट प्रश्नपत्र लीक के झूठे दावे फैलाने के लिए टेलीग्राम की खामी का फायदा उठाया गया : एनटीए, आईआईटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास ने नीट पुनर्परीक्षा से पहले 'टेलीग्राम' ऐप पर लगाये गए अस्थायी प्रतिबंध को मंगलवार को उचित ठहराया। एनटीए और आईआईटी, मद्रास ने ऐसे उदाहरणों का हवाला दिया, जिनमें इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल संपादित किये गए मैसेज के जरिए प्रश्न पत्र लीक होने के सबूत गढ़ने के लिए किया गया था।

हालांकि, इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) ने टेलीग्राम पर सरकार की पाबंदियों की आलोचना की और इस कदम को परीक्षा में गड़बड़ी का एक अस्थायी समाधान और अपर्याप्त उपाय बताया। इस बीच, सूत्रों के मुताबिक, गूगल ने 'प्ले स्टोर' से 'मैसेजिंग ऐप' टेलीग्राम को हटा दिया है और सरकारी आदेश का पालन करते हुए 'एप्पल' भी ऐसा ही कर सकता है। टेलीग्राम पर लगाई गई अस्थायी पाबंदियों की वजह बताते हुए एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि यह उपाय दोबारा होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की शुचिता बनाए रखने के लिए किया गया है, क्योंकि गड़बड़ी के आरोपों के कारण तीन मई की परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

सिंह ने 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश में कहा, ''परीक्षा रद्द करने और पुनर्परीक्षा के आयोजन तथा सीबीआई जांच के आदेश का मुख्य कारण यह सुनिश्चित करना था कि एनटीए के जरिये होने वाली

परीक्षाओं और नीट परीक्षा परीक्षाओं की शुचिता व निष्पक्षता का कोई भी उल्लंघन न कर सके। साथ ही, मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी कर रहे मेहनती छात्रों के अधिकारों को कोई भी नहीं छीन सके।'' उन्होंने उन अभ्यर्थियों पर पड़ने वाले दबाव को स्वीकार किया, जिन्हें दोबारा परीक्षा में शामिल होने के लिए कहा गया है। सिंह के अनुसार, एक बड़ी चिंता 'टेलीग्राम' का गलत इस्तेमाल है। उन्होंने कहा, ''सोशल मीडिया पर ऐसे टेलीग्राम चैनलों की कहानियां भरी पड़ी हैं जो नीट-यूजी 2026 के लिए फिर से परीक्षा के प्रश्न पत्र बेचने का दावा कर रहे हैं। हमने ऐसे हर दावे की जांच की है और पाया कि वे सभी फर्जी हैं।'' सिंह ने कहा कि ऐसे चैनलों के पीछे मौजूद लोग झूठे वादे करके छात्रों और उनके माता-पिता से पैसे ऐंठते हैं और उनका फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा, ''अगर आपसे कोई प्रश्न पत्र बेचने का दावा करता है, तो वह झूठ बोल रहा है, आपके साथ ठगी करने की कोशिश कर रहा है, आपको बेवकूफ बना रहा है और आपकी मजबूरी का फायदा उठाकर पैसे ऐंठ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''उनमें से किसी की भी असली प्रश्न-पत्र तक पहुंच नहीं है, जो पूरी तरह से सुरक्षित हैं। प्रश्न पत्र तैयार करने और उनकी छपाई व परीक्षा केंद्र तक पहुंचाये जाने को सुरक्षित बनाने के लिए हमने उच्चतम स्तर की सुरक्षा व्यवस्था की है। हमने भारतीय वायुसेना की मदद ली है और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया है।'' सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि टेलीग्राम चैनल मैसेज-संपादन विशेषता का इस्तेमाल करके ऐसी गलतफहमी पैदा करते हैं, मानो परीक्षा से पहले ही प्रश्न पत्र उपलब्ध थे।

उन्होंने कहा, ''टेलीग्राम चैनल लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं कि वे टेलीग्राम चैट के वीडियो और स्क्रीनशॉट दिखाते हैं, जिनमें परीक्षा की तारीख से पहले की तारीख वाले प्रश्न पत्र दिखाई देते हैं।'' सिंह ने हालिया नीट-यूजी परीक्षा का उदाहरण देते हुए कहा, ''3 मई को जब परीक्षा हुई, तो हमें ऐसी ही एक शिकायत मिली। परीक्षा के बाद कई सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें एक प्रश्न पत्र दिख रहा था। यह वही प्रश्न पत्र था जिसे परीक्षा से दो दिन पहले, यानी 1 मई को टेलीग्राम चैनल पर साझा किया गया था।''

मान ने अपने खिलाफ अकाल तख्त के आदेश पर कहा : वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मैं नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। सिखों की शीर्ष धार्मिक संस्था अकाल तख्त द्वारा एक कथित आपत्तिजनक वीडियो को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को 'गुरु दोखी' (गुरु द्रोही) और 'खालसा पंथ विरोधी' घोषित किये जाने के एक दिन बाद उन्होंने (मान ने) मंगलवार को कहा कि वीडियो में नजर आ रहा व्यक्ति ''मैं नहीं हूं''।

मुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि धार्मिक संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारी अपने ''राजनीतिक आकाओं के इशारे पर'' उनके खिलाफ दुष्प्रचार कर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष खुले तौर पर अकाली दल के प्रचारक बन गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब बस जत्थेदार साहिब के जरिए यह आदेश जारी करवाना बाकी है कि 'सुखबीर बादल को वोट दें, अन्यथा पंथ खतरे में पड़ जाएगा।' ऐसा फैसला कभी भी लिया जा सकता है।'' यह मामला इस साल जनवरी में अकाल तख्त द्वारा मान को तलब किये जाने से संबंधित है। 'गुरु की गोलक' (गुरुद्वारे का दान-पात्र) के बारे में कथित तौर पर टिप्पणी करने और एक वीडियो क्लिप में सिख गुरुओं तथा मारे गए चरमपंथी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरों के साथ ''आपत्तिजनक गतिविधियों'' में शामिल होने को लेकर उन्हें तलब किया गया था।

मान ने मंगलवार को अपने वीडियो संदेश में कहा कि उनके खिलाफ जारी 'हुकमनामा' में दावा किया गया है कि वीडियो में नजर आ रहा व्यक्ति वही हैं और इसे एआई की मदद से तैयार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, ''मैं इस वीडियो को पूरी तरह खारिज करता हूं।'' मान ने कहा कि जब उन्हें पहले अकाल तख्त में बुलाया गया था, तब भी उन्होंने स्पष्ट किया था कि कथित वीडियो में दिखने वाला व्यक्ति वह नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मेरे कद-काठी से मेल नहीं खाता।''

अल नीनो का 12 राज्यों में 'गंभीर' असर संभव, कृषि मंत्रालय ने जिलास्तर पर समन्वय के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को प्रतिकूल मौसमी स्थिति 'अल नीनो' का देश के 12 राज्यों में खरीफ मौसम के दौरान अपेक्षाकृत 'गंभीर' असर पड़ने की आशंका जताई। इससे निपटने के लिए सबसे अधिक संवेदनशील क्षेत्रों में जिला-स्तर पर समन्वित कार्रवाई के निर्देश दे दिए गए हैं। अल नीनो से सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, गुजरात, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड और महाराष्ट्र शामिल हैं।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ सत्र 2026 की तैयारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए

कहा, ''जिन नौ-दस राज्यों में अल नीनो का असर अधिक हो सकता है, वहां जिलाधिकारियों, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) और अन्य विस्तार तंत्र के साथ समन्वित बैठकें आयोजित की जानी चाहिए।'' उन्होंने बारिश की कमी वाले जिलों में अग्रिम वैकल्पिक योजना तैयार करने पर जोर देते हुए कपास और दलहन के रकबे को बढ़ाने की जरूरत भी बताई। बैठक के बाद एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुल 12 राज्यों के 326 जिलों की पहचान की गई है, जहां अल नीनो के कारण गंभीर असर पड़ सकता है। इन जिलों के लिए वैकल्पिक योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

अल नीनो एक जलवायु घटना है, जिसमें प्रशांत महासागर के सतही जल का तापमान बढ़ जाता है, जिससे भारत सहित कई क्षेत्रों में मानसून कमजोर पड़ सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थिति बनी हुई है और दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून-सितंबर) के दौरान इसके और मजबूत होने की आशंका है। मौसम विभाग ने इस वर्ष लगभग 90 प्रतिशत बारिश का अनुमान जताया है, जो सामान्य से कम वर्षा का संकेत देता है। कृषि मंत्रालय के बयान के अनुसार, चौहान ने राज्यों को संवेदनशील जिलों की स्पष्ट पहचान कर फसल के हिसाब से वैकल्पिक योजनाएं पहले से तैयार रखने को कहा, ताकि मौसम संबंधी चुनौतियों की स्थिति में किसानों को तुरंत विकल्प, सलाह और सहायता उपलब्ध कराई जा सके। चौहान ने कहा, हर संवेदनशील जिले के लिए अलग और व्यावहारिक रणनीति तैयार की जानी चाहिए, जिसमें जल संरक्षण, नमी प्रबंधन, मिश्रित फसल और वैकल्पिक फसल के तरीके पर विशेष ध्यान दिया जाए।

अमरनाथ यात्रा के लिए सभी तैयारियां पूरीः जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि अगले महीने की शुरुआत में होने वाली सालाना अमरनाथ यात्रा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी इंतजाम कर लिये गए हैं। सिंह ने भरोसा जताया कि तीन जुलाई से शुरू होने वाली यह यात्रा सफल रहेगी।

मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, इस बार यात्रा लंबी अवधि की है और प्रशासन ने हर चीज का ध्यान रखा है। हमें भरोसा है कि यात्रा सफल रहेगी। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री सिंह ने ये बातें यहां एसकेआईसीसी में पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 59वीं 'सेवानिवृत्ति-पूर्व परामर्श कार्यशाला' के उद्घाटन के बाद कहीं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में समाज के हर वर्ग के जीवन को आसान बनाने पर ध्यान दिया है। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, भारत में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है। एक समय था जब नौकरीपेशा लोगों की संख्या ज्यादा थी और पेंशनभोगियों की कम, लेकिन अब स्थिति उलट गई है। जब वे 60 साल की उम्र में सेवानिवृत्त होते हैं, तो उनकी विशेषज्ञता, अनुभव, कौशल और ज्ञान भी अपने चरम पर होते हैं। इसे बर्बाद नहीं होने देना चाहिए। सिंह ने कहा कि देश भर में इस तरह की 'कार्यशालाएं' शुरू की गई हैं।

अकाल तख्त के भगवंत मान को 'गुरु विद्रोही' घोषित करने के दूरगामी परिणाम होंगे : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने मंगलवार को कहा कि एक आपत्तिजनक वीडियो को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को अकाल तख्त के 'गुरु विद्रोही' और 'खालसा पंथ विरोधी' घोषित करने के दूरगामी राजनीतिक एवं सामाजिक परिणाम होंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस घटनाक्रम को शर्मनाक करार देते हुए कहा कि सिख गुरुओं और सिख मर्यादा के प्रति सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। पूनावाला ने पोस्ट में दावा किया कि अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा है कि उस वायरल वीडियो की जांच दो फॉरेंसिक प्रयोगशाला ने की, जिसमें कथित तौर पर मान शराब के नशे में दिख रहे हैं और सिख गुरुओं की तस्वीरों पर कुछ बूंदें छिड़क रहे हैं; जांच में निष्कर्ष निकला कि फुटेज न तो नकली है और न ही इसे एआई से तैयार किया गया है। इसलिए अकाल तख्त के कदमों के दूरगामी राजनीतिक और सामाजिक परिणाम होने की संभावना है। अकाल तख्त ने धार्मिक बेअदबी-रोधी कानून के सिलसिले में 29 जून को राज्य के सभी सिख विधायकों (चाहे वे किसी भी पार्टी के हों) को तलब किया है। मामला जनवरी में अकाल तख्त के मान को तलब किए जाने से संबंधित है। 'गुरु की गोलक' (गुरुद्वारे का दान-पात्र) के बारे में कथित तौर पर टिप्पणी करने और एक वीडियो क्लिप में सिख गुरुओं तथा मारे गए चरमपंथी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरों के साथ आपत्तिजनक गतिविधियों में शामिल होने को लेकर उन्हें तलब किया गया था।

छत्तीसगढ़ सरकार ने स्कूलों में रोजाना गायत्री, भोजन और दूसरे मंत्रों का पाठ अनिवार्य किया

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे 2026-27 शैक्षणिक सत्र से रोजाना सांस्कृतिक, शैक्षिक व मूल्यों पर आधारित गतिविधियां आयोजित करें। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इसमें इनमें राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के साथ-साथ गायत्री, दीप, भोजन और अन्य मंत्रों का पाठ भी शामिल होगा। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद छात्रों के बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना और उन्हें भारतीय संस्कृति व परंपराओं से परिचित कराना है।

इस कदम की विपक्षी दल कांग्रेस ने आलोचना की है और भाजपा सरकार पर स्कूलों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एजेंडा थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से 12 जून को सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी आदेश के अनुसार स्कूल अब दिन में तीन अलग-अलग समय पर अनिवार्य गतिविधियां आयोजित करेंगे।

गोयल का उद्यम पूंजी कोषों, कंपनियों से भारत में निवेश जल्द शुरू करने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को निवेशकों, कंपनियों और उद्यम पूंजी (वीसी) कोषों से कहा कि वे अब सक्रियता के साथ भारत में निवेश शुरू करें और इसमें अधिक विलंब न करें।

गोयल ने फ्रांस के नीस में आयोजित कार्यक्रम 'भारत इनोवेट्स 2026' के समापन समारोह में कहा कि भारत का निवेश परिवेश तैयार है, घरेलू बाजार विशाल है और सरकार निवेशकों को बाजार अवसरों से जोड़ने में मदद करेगी, जबकि एक सहयोगी नीतिगत ढांचा पहले से मौजूद है। उन्होंने कहा,

निवेशकों और उद्यम पूंजी कोषों के लिए यही समय है, अब आगे आएं और निवेश शुरू करें। भारतीय पारिवारिक कार्यालय, वीसी कोष, निवेशक और कंपनियां, सभी को सक्रिय होना होगा। इसके लिए जरूरी परिवेश तैयार है, स्टार्टअप बेहतरीन काम कर रहे हैं और भारत में कई सफल मॉडल मौजूद हैं। गोयल ने घरेलू उद्योग से भी विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप फर्मों के साथ साझेदारी कर उन्हें बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे भारत उद्योगों के लिए 'लॉन्च पैड' बनेगा और वैश्विक बाजार उनका लक्ष्य होगा। गोयल ने शोधकर्ताओं, अकादमिक संस्थानों और उच्च शिक्षण संस्थानों से संयुक्त रूप से शोध एवं विकास (आरएंडडी) कार्यक्रम चलाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे वैज्ञानिक खोज एवं नवाचार को बाजार तक पहुंचाने में लगने वाला समय कम होगा। उन्होंने कहा कि सरकार स्टार्टअप पारिस्थितिकी को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा चुकी है, जिसमें स्टार्टअप कार्य योजना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि 10,000 करोड़ रुपए के 'कोषों का कोष' योजना की दूसरी किस्त का अधिकांश हिस्सा गहन-प्रौद्योगिकी नवाचार के लिए प्रतिबद्ध किया जा रहा है।

जनगणना 2027 का पहला चरण 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पूरा हुआ

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि 2027 की जनगणना के पहला चरण का कार्य अब तक 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरा कर लिया गया है। इस चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य किया गया। यह जानकारी मंगलवार को एक सरकारी बयान से मिली। बयान में कहा गया है कि केरल और नगालैंड में 15 दिन की स्व-गणना प्रक्रिया जारी है, जिसके बाद एक जुलाई से 30 जुलाई तक क्षेत्रीय कार्य किया जाएगा। बयान के अनुसार, पहले चरण का क्षेत्र कार्य मंगलवार को हिमाचल प्रदेश में शुरू हुआ, जबकि गुजरात, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, पुडुचेरी और उत्तर प्रदेश में यह पहले से जारी है। इसमें कहा गया, स्व-गणना पूरी कर चुके निवासी अपने द्वारा उत्पन्न स्व-गणना पहचान संख्या (आईडी) तैयार रखें और क्षेत्र दौरे के दौरान गणनाकर्मी के साथ इसे साझा करें, ताकि एचएलओ प्रक्रिया पूरी की जा सके। जिन परिवारों ने स्व-गणना का विकल्प नहीं चुना है, उन्हें गणनाकर्मियों के घर-घर जाकर किए जाने वाले सर्वेक्षण के दौरान शामिल किया जाएगा। 11,718 करोड़ रुपए की लागत वाली यह जनगणना स्वतंत्रता के बाद देश की आठवीं जनगणना है। इसे दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है।

कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया मामला : ईडी ने 17 स्थानों पर छापे मारे

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से जुड़ी कथित अनियमितताओं के मामले में धनशोधन की जांच के तहत मंगलवार को महाराष्ट्र और दिल्ली में छापेमारी की कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई, खंडाला (महाराष्ट्र) और दिल्ली में सुरक्षा एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लि.(एसएआरसीएल), सुरक्षा रियल्टी लि., ख्याति रियल्टर्स प्राइवेट लि., उनके प्रवर्तकों, निदेशकों और कर्मचारियों तथा यस बैंक के एक पूर्व कर्मचारी से जुड़े कुल 17 ठिकानों पर छापेमारी की गई।

डिजिटल धोखाधड़ी में भारतीय ग्राहकों को वैश्विक औसत से 36 प्रतिशत ज़्यादा नुकसान : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय ग्राहकों को डिजिटल धोखाधड़ी से होने वाला नुकसान पूरे वैश्विक औसत से 36 प्रतिशत अधिक है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। हालांकि, पिछले साल डिजिटल धोखाधड़ी के संदिग्ध मामलों में भारी गिरावट दर्ज की गई थी, लेकिन इसके बावजूद नुकसान वैश्विक स्तर में कहीं अधिक हैं।

ट्रांसयूनियन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार हुए उपभोक्ताओं को पिछले एक वर्ष में औसतन 2,265 अमेरिकी डॉलर (करीब 2.04 लाख रुपए) का नुकसान हुआ, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 1,671 डॉलर रहा।

वहीं, भारत में संदिग्ध डिजिटल धोखाधड़ी की दर 2025 में घटकर 7.1 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 13.1 प्रतिशत थी। यह गिरावट डिजिटल साक्षरता, ग्राहकों को जागरूक करने, मोबाइल नंबर सत्यापन और साइबर खुफिया जानकारी साझा करने जैसे सरकारी और उद्योग जगत की कोशिशों का

नतीजा है। इसके बावजूद भारत में यह दर वैश्विक औसत 3.8 प्रतिशत की तुलना में लगभग दोगुनी बनी हुई है, जो साइबर सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के बने रहने का संकेत देती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त से दिसंबर 2025 के बीच 59% भारतीय उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्हें किसी न किसी प्रकार की डिजिटल धोखाधड़ी का निशाना बनाया गया। इनमें से 13 प्रतिशत लोग वास्तव में धोखाधड़ी का शिकार हुए, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 10% रहा। भारतीय उपभोक्ताओं को निशाना बनाने वाली सबसे आम धोखाधड़ी में जालसाज फर्जी ई-मेल, वेबसाइट या संदेशों के जरिये लोगों की व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी हासिल करने की कोशिश शामिल रही। इसके अलावा विशिंग (फोन कॉल के माध्यम से धोखाधड़ी), स्मिशिंग (फर्जी एसएमएस के जरिए ठगी) आदि भी मुख्य रहे।

केंद्र सरकार पेश कर रही है गलत आर्थिक आंकड़े : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि देश में प्रस्तुत किए जा रहे आर्थिक आंकड़े जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाते। उन्होंने कहा कि जो आंकड़े जारी किए जा रहे हैं वे गलत हैं। पूर्व मंत्री यहां पुणे में आयोजित टुडेज़ इंडियन इकॉनमी कार्यक्रम में बोल रहे थे, जिसमें महाराष्ट्र कांग्रेस के कुछ नेता भी मौजूद थे।

सिन्हा ने कहा, आज हमारी अर्थव्यवस्था की स्थिति क्या है? चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में हो, सही मूल्यांकन के लिए विश्वसनीय आंकड़ों की आवश्यकता होती है। भारत, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) का सदस्य है, लेकिन आईएमएफ ने वर्तमान स्थिति को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि भारत द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे आर्थिक आंकड़े पूरी तरह विश्वसनीय नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों का मानना है कि देश में जारी आर्थिक आंकड़ों में विसंगतियां हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के लिए अर्थव्यवस्था से जुड़ा यह संकट असली परीक्षा है।'' भाजपा के पूर्व नेता ने कहा कि खाद संकट और बारिश की कमी के कारण कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में रोज़गार की स्थिति भी बिगड़ती जा रही है। उन्होंने कहा, हमारी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत बताई जा रही है और भारत को दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्सव मनाने की बात कही थी। लेकिन कुछ आकलनों के अनुसार वास्तविक वृद्धि दर केवल 2.2 प्रतिशत के आसपास है।

विजय ने विधायकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया, विधानसभा अध्यक्ष ने 'विजय मॉडल सरकार' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर ने मंगलवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार को विजय मॉडल सरकार बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विजय सभी जातियों, धर्मों और समुदायों के लोगों को साथ लेकर चलने की अपनी नीति के माध्यम से तमिलनाडु को शांति का स्वर्ग बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रभाकर ने 18 जून से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र से पहले नव-निर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री की मौजूदगी में कहा, मैं पूरे विश्वास के साथ इसे विजय मॉडल सरकार कहूंगा।

तमिलनाडु विधानसभा सचिवालय की देखरेख में विधायकों के लिए ओरिएंटेशन और प्रशिक्षण कार्यक्रम यहां कलाईवानार अरंगम में शुरू हुआ और यह 17वीं विधानसभा के सभी विधायकों के लिए है। इस कार्यक्रम का मकसद सदस्यों को विधानसभा की प्रक्रियाओं, विधायी नियमों और सदन के कामकाज के तौर-तरीकों से परिचित कराना है, साथ ही उन्हें विधानसभा में बहस और सवाल-जवाब में प्रभावी ढंग से हिस्सा लेने के लिए तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष प्रभाकर, मंत्री के.ए. सेंगोट्टैयन जैसे वरिष्ठ सदस्यों और अधिकारियों की मौजूदगी में पारंपरिक दीप जलाकर कार्यशाला का उद्घाटन किया। प्रभाकर ने विधानसभा के ऐतिहासिक महत्व और उसकी गरिमा बनाए रखने में सदस्यों की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए पहली बार चुने गए विधायकों को सलाह दी कि वे विधानसभा के पुस्तकालय का इस्तेमाल कर सी.एन. अन्नादुरई, के. कामराज और एम. करुणानिधि जैसे दिग्गज नेताओं की पिछली बहसों व उनके योगदान से सीखें।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने 75,000 रुपये तक के सहकारी फसल ऋण की पूर्ण माफी की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने किसानों के 75,000 रुपये तक के फसल ऋण की पूर्ण माफी की घोषणा मंगलवार को की। राज्य सरकार की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इससे राज्य के 14.43 लाख किसानों को लाभ होगा और राज्य सरकार पर 5,932 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय आएगा। सचिवालय में मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन किसानों ने 75,000 रुपये से अधिक का ऋण लिया है, उन्हें 35,000 रुपये तक की माफी दी जाएगी।

राज्य सरकार ने सहकारी बैंकों से ऋण लेने वाले लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50,000 रुपये तक की ऋण माफी की पिछले महीने घोषणा की थी। इसके बाद किसानों ने इसमें संशोधन की मांग की थी। नई घोषणा उसी का संशोधित रूप है। विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सरकारी ऋण माफी योजनाओं के मॉडल संचालन प्रक्रिया के तहत सरकार को माफ की गई पूरी ऋण राशि 45 से 60 दिन के भीतर वितरित करनी होती है।

विज्ञप्ति में कहा गया, ''राज्य सरकार की वर्तमान वित्तीय स्थिति और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए इस कठिन परिस्थिति में मुख्यमंत्री ने एक मई 2025 से 28 फरवरी 2026 के बीच फसल ऋण लेने वाले 14.43 लाख किसानों के लिए लगभग 6,000 करोड़ रुपये की माफी का आदेश दिया है।'' विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री विजय के हवाले से कहा गया, ''यह फसल ऋण माफी आगामी बुवाई सत्र के लिए ऋण लेने के इच्छुक किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगी।''

नीट पुन:परीक्षा के कड़े सुरक्षा इंतजामों से अभ्यर्थियों में तनाव बढ़ेगा : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंगलवार को कहा कि 21 जून को निर्धारित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की पुन:परीक्षा के लिए किए गए उच्च स्तरीय, गोपनीय और सैन्य स्तर के सुरक्षा इंतजाम तथा कृत्रिम मेधा आधारित चेहरा पहचान (फेस रिकग्निशन) व्यवस्था अभ्यर्थियों का तनाव और बढ़ा देगी। नीट पुन:परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों पर लागू की जाने वाली कड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चिंता जताते हुए अन्नामलाई ने कहा, ''सरकार ने प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए भले ही कदम उठाए हों, लेकिन वह यह भूल गई है कि इससे छात्रों पर अतिरिक्त मानसिक दबाव पड़ रहा है। ये वही छात्र हैं, जिन्होंने इस परीक्षा की तैयारी में महीनों लगाए हैं। ऐसी परिस्थितियां न केवल परीक्षा प्रणाली के मूल उद्देश्य को कमजोर करती हैं, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उस लक्ष्य के भी विपरीत हैं, जिसका उद्देश्य परीक्षा संबंधी तनाव' को कम करना है।''

हाल ही में अपना नया राजनीतिक दल बनाने की घोषणा करने के बाद केंद्र सरकार के रुख की आलोचना करते हुए अन्नामलाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करके कहा, ''दो-स्तरीय सीआरपीएफ व सीआईएसएफ सुरक्षा घेरा और भारतीय वायुसेना की मदद। एआई निगरानी के साथ चार-स्तरीय सीसीटीवी। प्रवेश से पहले बायोमेट्रिक और चेहरा पहचान। तलाशी के कई दौर। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा सीधी निगरानी के साथ बहु-स्तरीय निरीक्षण।''

उन्होंने कहा, ''हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। लेकिन ये किसी उच्च-स्तरीय, गोपनीय, सैन्य-ग्रेड सॉफ्टवेयर को खरीदने के इंतजाम नहीं हैं। ये इंतजाम शिक्षा मंत्रालय द्वारा 21 जून, 2026 को होने वाली नीट पुन:परीक्षा के लिए किए गए हैं।'' उन्होंने कहा कि अतिरिक्त सुरक्षा उपायों और बेहतर निगरानी के जरिए पेपर लीक को रोकने के सरकार के प्रयासों की सराहना हर छात्र करेगा, लेकिन प्रवेश से पहले जांच का दायरा बढ़ाना, तलाशी की लंबी प्रक्रिया और परीक्षा के कुल समय को 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट किए जाने से अभ्यर्थियों पर परीक्षा का दबाव और अधिक बढ़ जाएगा।

अन्नामलाई ने यह भी कहा कि परीक्षा के लिए इन तमाम इंतजामों के बावजूद छात्रों को प्रवेशपत्र डाउनलोड करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, एनटीए ने छात्रों को आश्वासन दिया है कि वह जल्द से जल्द इसका समाधान करेगी। उन्होंने कहा, ''यह सच है कि चुनौतियां ऐसी हैं जिनके लिए सार्थक समाधान की आवश्यकता है। हालांकि, मैं इस बात को लेकर चिंतित हूं कि नीट पुन:परीक्षा के लिए जो तरीका अपनाया गया है, वह शायद समस्या का समाधान न करे; इसके बजाय, इससे समस्याओं का एक नया सिलसिला शुरू होने का जोखिम है।''

एक्टर-प्रोड्यूसर विशाल ने मुख्यमंत्री विजय को बताया 'डार्लिंग' सीएम, कॉलेज के दिनों को किया याद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । एक्टर और प्रोड्यूसर विशाल ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय को 'डार्लिंग' सीएम कहकर संबोधित करते हुए एक पोस्ट लिखा है। इसमें उन्होंने बताया है कि वे विजय को कॉलेज के समय से जानते हैं और तब से ही उन्हें 'डार्लिंग' कहकर बुलाते आ रहे हैं। विशाल ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के साथ अपनी हालिया मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा। उन्होंने बताया कि वे मुख्यमंत्री को तब से जानते हैं जब वे दोनों लोयोला कॉलेज में छात्र थे। विशाल ने लिखा, प्यारे मुख्यमंत्री विजय 'डार्लिंग' (प्यारे) शब्द नहीं बदला है, जिसका इस्तेमाल मैं आपको बुलाने के लिए इतने सालों से करता आ रहा हूं, क्योंकि मैं आपको लोयोला कॉलेज के समय से जानता हूं। उन्होंने आगे कहा, यह सब तब शुरू हुआ जब मैं आपको एक उभरते हुए स्टार के तौर पर जानता था और फिर मैंने आपको तमाम मुश्किलों और आलोचनाओं का सामना करते हुए और उन्हें अपनी खामोशी और कामयाबी से दरकिनार करते हुए सुपरस्टार बनते देखा। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने का सफर तय करते देखा।

विशाल ने कहा कि विजय आज भी उतने ही मिलनसार इंसान हैं, जितने वे कई साल पहले हुआ करते थे। विशाल ने अपनी पोस्ट में लिखा, आज आपकी पोस्टिंग और पद बदल गए हैं, लेकिन आप वही इंसान हैं। आपसे मिलकर और वही अपनापन महसूस करके बहुत खुशी हुई। मेरे अंदर का फैन हमेशा बना रहेगा। विशाल ने कहा, भगवान आपका (विजय) भला करे और अनिवार्य गुलदस्ता और शॉल न लेने के मेरे सुझाव को मानने के लिए आपका धन्यवाद। उन्होंने आगे बताया कि इसके बजाय उन्होंने उस पैसे का इस्तेमाल तमिलनाडु में तीन जरूरतमंद और गरीब लड़कियों की शिक्षा के लिए किया है।

विशाल ने विजय को अपनी पोस्ट में बताया, उन्हें आप पर गर्व होगा और वे आपको हमेशा याद रखेंगी। एक्टर ने अपनी पोस्ट का समापन करते हुए कहा, एक बार फिर से मेरा बहुत-बहुत धन्यवाद। सीएम सर, आपको शुभकामनाएं। आपके कार्यकाल में केवल सकारात्मकता और तरक्की हो और तमिलनाडु के लिए बेहतरीन चीजें हों, यही कामना करता हूं।

पूर्व मंत्री सी. विजयभास्कर ने दिया तमिलनाडु विधानसभा से इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री और बागी नेता सी. विजयभास्कर ने मंगलवार को तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर को सदन की सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दिया। प्रभाकर ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि त्यागपत्र विजयभास्कर ने खुद हाथ से लिखा था तथा यह विधानसभा के नियमों के मुताबिक़ था, इसलिए इसे मंज़ूर कर लिया गया।

विजयभास्कर पुडुकोट्टई जिले की विरालिमलाई विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। वह पिछली अन्नाद्रमुक सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे। विजयभास्कर उन बागी अन्नाद्रमुक नेताओं में थे जिन्होंने 13 मई को विधानसभा में विश्वास मत पर विभाजन में टीवीके सरकार के पक्ष में वोट दिया था। इससे पहले, अन्नाद्रमुक के चार अन्य विधायकों ने विधानसभा से इस्तीफ़ा दे दिया था और बाद में वे सत्ताधारी टीवीके में शामिल हो गए थे। विधायक पद से इस्तीफ़ा देने से पहले, विजयभास्कर ने अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का मतलब सत्ता या अहंकार नहीं है, बल्कि सबको साथ लेकर चलने और पूरी निष्ठा के साथ काम करने से है। उन्होंने कहा, कोई नेतृत्व लोगों का दिल कैसे जीत सकता है, जब वह पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करने वाले अपने ही कार्यकर्ताओं का दिल नहीं जीत पाता?

विजयभास्कर ने 'भारी मन' से अन्नाद्रमुक भी छोड़ी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा की सदस्यता से मंगलवार को इस्तीफा देने के बाद पूर्व मंत्री सी. विजयभास्कर ने 'भारी मन' से ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) भी छोड़ दी। उन्होंने पलानीस्वामी पर गलत निर्णय लेने का आरोप लगाया। दो पृष्ठ के अपने त्यागपत्र में विजयभास्कर ने उनके साथ सहयोग करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं शुभेच्छुओं के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने आरोप लगाया, 'पार्टी प्रमुख पलानीस्वामी के 'गलत' फैसलों की वजह से अन्नाद्रमुक को मुश्किलों और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।''

पुडुचेरी में आज शपथ लेंगे तीन नए मंत्री

पुडुचेरी। मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली सरकार में 17 जून को तीन नए मंत्री शामिल होंगे। लोक निवास में आयोजित एक समारोह में इन्हें पद की शपथ दिलाई जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन वी. पी. शिवकोलुंधु, पी. राजवेलु और जी. एन. एस. राजशेखरन को मंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। इसके साथ ही केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में मुख्यमंत्री सहित छह सदस्यीय मंत्रिमंडल का गठन पूरा हो जाएगा।

केंद्र शासित प्रदेश में नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में एआईएनआरसी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने जीत हासिल की थी। एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुख्यमंत्री की सलाह पर आठ जून को राजवेलु, शिवकोलुंधु और राजशेखरन को पुडुचेरी का मंत्री नियुक्त किया था।

भाजपा ने लड़कियों, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने राज्य में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि लोग राज्य में लगातार मंडराते खतरे की आशंका के बीच जीवन यापन करने के लिए मजबूर हैं। पार्टी इकाई के प्रमुख नैनार नागेंद्रन ने राज्य में एक ही दिन में पांच लड़कियों से दुष्कर्म की घटनाएं होने का आरोप लगाते हुए 18 जून को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की।

उन्होंने लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों की घटनाओं पर लगाम लगाने की मांग की। नागेंद्रन ने गुम्मिडीपोंडी के निकट सोमवार को यौन उत्पीड़न के कारण तीन वर्षीय बच्ची की मौत के मामले का जिक्र करते हुए कहा, लोगों ने टीवीके को इस उम्मीद के साथ चुना था कि उनके जीवन में बदलाव आएगा लेकिन अब वे लड़कियों व महिलाओं के खिलाफ हो रहे हिंसक यौन अपराधों के डर में जी रहे हैं। गुम्मिडीपोंडी के पास हुई इस जघन्य घटना के मामले में बिहार के 19 वर्षीय एक प्रवासी श्रमिक को गिरफ्तार किया गया है। नैनार नागेंद्रन ने सोमवार को पोस्ट में दावा किया कि तमिलनाडु में एक ही दिन में पांच बच्चों से दुष्कर्म की घटनाएं हुईं। उन्होंने बाद में जारी एक बयान में कहा कि राज्य में अपराधों को रोकने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर भाजपा की ओर से 18 जून को चेन्नई में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

नीट प्रश्नपत्र लीक के झूठे दावे फैलाने के लिए टेलीग्राम की खामी का फायदा उठाया गया : एनटीए, आईआईटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/चेन्नई। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास ने नीट पुनर्परीक्षा से पहले 'टेलीग्राम' ऐप पर लगाये गए अस्थायी प्रतिबंध को मंगलवार को उचित ठहराया। एनटीए और आईआईटी, मद्रास ने ऐसे उदाहरणों का हवाला दिया, जिनमें इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल संपादित किये गए मैसेज के जरिए प्रश्न पत्र लीक होने के सबूत गढ़ने के लिए किया गया था। हालांकि, इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) ने टेलीग्राम पर सरकार की पाबंदियों की आलोचना की और इस कदम को परीक्षा में गड़बड़ी का एक अस्थायी समाधान और अपर्याप्त उपाय बताया। इस बीच, सूत्रों के मुताबिक, गूगल ने 'प्ले स्टोर' से 'मैसेजिंग ऐप' टेलीग्राम को हटा दिया है और सरकारी आदेश का पालन करते हुए 'एप्पल' भी ऐसा ही कर सकता है। टेलीग्राम पर लगाई गई अस्थायी पाबंदियों की वजह बताते हुए एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि यह उपाय दोबारा होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की शुचिता बनाए रखने के लिए किया गया है, क्योंकि गड़बड़ी के आरोपों के कारण तीन मई की परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

सिंह ने 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश में कहा, ''परीक्षा रद्द करने और पुनर्परीक्षा के आयोजन तथा सीबीआई जांच के आदेश का मुख्य कारण यह सुनिश्चित करना था कि एनटीए के जरिये होने वाली परीक्षाओं और नीट परीक्षा परीक्षाओं की शुचिता व निष्पक्षता का कोई भी उल्लंघन न कर सके। साथ ही, मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी कर रहे मेहनती छात्रों के अधिकारों को कोई भी नहीं छीन सके।'' उन्होंने उन अभ्यर्थियों पर पड़ने वाले दबाव को स्वीकार किया, जिन्हें दोबारा परीक्षा में शामिल होने के लिए कहा गया है। सिंह के अनुसार, एक बड़ी चिंता 'टेलीग्राम' का गलत इस्तेमाल है।

उन्होंने कहा, ''सोशल मीडिया पर ऐसे टेलीग्राम चैनलों की कहानियां भरी पड़ी हैं जो नीट-यूजी 2026 के लिए फिर से परीक्षा के प्रश्न पत्र बेचने का दावा कर रहे हैं। हमने ऐसे हर दावे की जांच की है और पाया कि वे सभी फर्जी हैं।'' सिंह ने कहा कि ऐसे चैनलों के पीछे मौजूद लोग झूठे वादे करके छात्रों और उनके माता-पिता से पैसे ऐंठते हैं और उनका फायदा उठाते हैं।

उन्होंने कहा, ''अगर आपसे कोई प्रश्न पत्र बेचने का दावा करता है, तो वह झूठ बोल रहा है, आपके साथ ठगी करने की कोशिश कर रहा है, आपको बेवकूफ बना रहा है और आपकी मजबूरी का फायदा उठाकर पैसे ऐंठ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''उनमें से किसी की भी असली प्रश्न-पत्र तक पहुंच नहीं है, जो पूरी तरह से सुरक्षित हैं। प्रश्न पत्र तैयार करने और उनकी छपाई व परीक्षा केंद्र तक पहुंचाये जाने को सुरक्षित बनाने के लिए हमने उच्चतम स्तर की सुरक्षा व्यवस्था की है। हमने भारतीय वायुसेना की मदद ली है और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया है।''

सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि टेलीग्राम चैनल मैसेज-संपादन विशेषता का इस्तेमाल करके ऐसी गलतफहमी पैदा करते हैं, मानो परीक्षा से पहले ही प्रश्न पत्र उपलब्ध थे। उन्होंने कहा, ''टेलीग्राम चैनल लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं कि वे टेलीग्राम चैट के वीडियो और स्क्रीनशॉट दिखाते हैं, जिनमें परीक्षा की तारीख से पहले की तारीख वाले प्रश्न पत्र दिखाई देते हैं।'' सिंह ने हालिया नीट-यूजी परीक्षा का उदाहरण देते हुए कहा, 3 मई को जब परीक्षा हुई, तो हमें ऐसी ही एक शिकायत मिली। परीक्षा के बाद कई सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें एक प्रश्न पत्र दिख रहा था। यह वही प्रश्न पत्र था जिसे परीक्षा से दो दिन पहले, यानी 1 मई को टेलीग्राम चैनल पर साझा किया गया था।

केरल में 'ऑपरेशन तूफान' के तहत 10 करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जब्त, 2,778 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में राज्यव्यापी मादक पदार्थ विरोधी अभियान ऑपरेशन तूफान' के शुरुआती 15 दिनों के दौरान 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त किए गए हैं तथा इस सिलसिले में 2,778 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चेन्निथला ने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक 2,575 मामले दर्ज किए गए हैं। यह अभियान केरल पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य सरकारी विभागों के सहयोग से संयुक्त रूप से चलाया जा रहा है। उन्होंने यहां पुलिस मुख्यालय में विभिन्न एजेंसियों की समन्वय बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

राज्य के गृह मंत्री ने कहा कि जब्त की गई सामग्री में एमडीएमए, गांजा, हशीश तेल, ब्राउन शुगर, एलएसडी स्टैम्प और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की विभिन्न मात्रा शामिल हैं, जिनका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य 10 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में दर्ज कुल मामलों में से 838 छोटे स्तर की मादक पदार्थ बरामदगी से संबंधित हैं, 78 मामले मध्यम मात्रा के हैं और 24 मामलों में व्यावसायिक स्तर की मात्रा बरामद हुई है। चेन्निथला ने कहा कि सरकार ने विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग और समर्थन से 'ऑपरेशन तूफान' को और तेज करने का निर्णय लिया है। बैठक में खुफिया ब्यूरो (आईबी), रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, राजस्व आसूचना निदेशालय , सीमा शुल्क विभाग और समुद्री प्रवर्तन इकाई सहित कई एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों को पहले ही उन मार्गों और स्रोतों के संबंध में विशेष जानकारी मिल चुकी है, जिनके जरिए मादक पदार्थ केरल पहुंच रहे हैं और जांच जल्द ही इस तस्करी नेटवर्क के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं तक पहुंच जाएगी। गृह मंत्री ने कहा, ''भविष्य की जांच और प्रवर्तन गतिविधियों में आधुनिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपकरणों का पूरा इस्तेमाल किया जाएगा। मादक पदार्थ विरोधी अभियानों को और अधिक वैज्ञानिक ढंग से मजबूत करने तथा इस समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए बहु-एजेंसी डिजिटल एकीकृत परियोजना की भी योजना बनाई जा रही है।'' अभिनेता मोहनलाल 'तूफान वॉरियर्स' पहल के तहत मादक पदार्थ विरोधी अभियान से जुड़ गए हैं। चेन्निथला ने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक मादक पदार्थ माफिया का पूरी तरह उन्मूलन नहीं हो जाता और केरल को नशीले पदार्थों के खतरे से मुक्त नहीं कर दिया जाता। केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के सत्ता संभालने के तुरंत बाद गृह विभाग ने 'ऑपरेशन तूफान' की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य समन्वित प्रवर्तन, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और जनभागीदारी के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री और सेवन पर रोक लगाना है।

अभियान के तहत राज्य और केंद्र की अनेक एजेंसियां आपूर्ति श्रृंखलाओं की पहचान करने, तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के उपायों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं।

பாங்க் ஆஃப் பரோடா
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

आंचलिक कार्यालय - चेन्नई
बड़ौदा प्राइड
न्यू नंबर 41, लुज़, चर्च रोड,
माइलापुर, चेन्नई - 600004

निविदा

बैंक ऑफ़ बड़ौदा, **एसआईईटी कॉलेज, चेन्नई** - 600 018 में स्थित अपनी प्रस्तावित फिजिटल शाखा के लिए इंटीरियर फर्निशिंग, इलेक्ट्रिकल और एयर-कंडीशनिंग के कार्यों हेतु 'टू-बिड सिस्टम' के तहत सीलबंद निविदा आमंत्रित करता है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया बैंक की वेबसाइट के टेंडर सेक्शन पर जाएं:
www.bankofbaroda.bank.in/tenders.aspx
प्रस्ताव जमा कराने की अंतिम तिथि 07.07.2026 को दोपहर 3.00 बजे तक है।

-ह-
महाप्रबंधक एवं आंचलिक प्रमुख
(चेन्नई अंचल)

स्थान : चेन्नई
दिनांक : 17.06.2026

महाराणा प्रताप का जीवन आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति, आत्मसम्मान और परिश्रम का मार्ग दिखाता रहेगा : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने महान राष्ट्रनायक और वीरता के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती पर समस्त प्रदेशवासियों से कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के ऐसे युगपुरुष हैं जिन्होंने अपने मातृभूमि की रक्षा के लिए जीवन भर संघर्ष किया और कभी भी अन्याय के सामने सिर नहीं झुकाया। उनका साहस, स्वाभिमान और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। देवनानी ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के ऐसे महानायक हैं, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता, स्वाभिमान और संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका जीवन साहस, संघर्ष, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा का अद्वितीय उदाहरण है। देवनानी ने प्रदेश वासियों से आह्वान किया कि हम सभी महाराणा प्रताप के जीवन मूल्यों को आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान

के स्कूलों के पाठ्यक्रम में बदलाव किए थे ताकि ये बदलाव राज्य और देश के गौरवपूर्ण इतिहास को उजागर कर सकें और विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना विकसित हो सकें। देवनानी ने कहा कि उन्होंने विद्यालय के पाठ्यक्रम में परिवर्तन करते हुए मुगल सम्राट अकबर को महान के रूप में प्रस्तुत करने की बजाय महाराणा प्रताप को महान के रूप में शामिल किया। इस बदलाव का उद्देश्य विद्यार्थियों को राजस्थान के गौरवपूर्ण इतिहास से जोड़ना और उनमें देशभक्ति की भावना विकसित करना था। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्श हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने, स्वाभिमान के साथ जीवन जीने तथा समाज और देश के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने विपरीत परिस्थितियों में भी कभी आत्मसमर्पण नहीं किया और अपने अदम्य साहस एवं दृढ़ संकल्प से स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा की। उनका जीवन प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें तथा सामाजिक समरसता, एकता और विकास के लिए मिलकर कार्य करें।

शिक्षण संस्थाएं बच्चों में नैतिकता, सहनशीलता और संस्कार निर्माण का कार्य करे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 16 जून। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि शिक्षा ही ज्ञान का बड़ा आधार है। इसके जरिए भारत को विश्वभर में श्रेष्ठ बनाने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के टेलेंट की दुनिया भर में मांग है। उन्होंने बच्चों की बौद्धिक क्षमता विशिष्ट क्षेत्रों में विकसित किए जाने पर जोर दिया। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत उन्होंने प्राचीन भारतीय ज्ञान के आलोक में विकसित भारत के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं में बच्चों में नैतिकता, सहनशीलता और संस्कार निर्माण के लिए कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई।

राज्यपाल बागड़े मंगलवार को सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एजुकेशन समिट में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा से विकास को सही मायने में गति दी जा सकती है। संवाद से सुसंवाद होता है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां जो आविष्कार हुए, उनका श्रेय पश्चिम ने ले लिया। उन्होंने कहा कि भारत में सबसे पहला विमान मुंबई के संस्कृत विद्वान शिवकर बापूजी तलपड़े ने उड़ाया परंतु श्रेय राइट बंधुओं को मिला। इसी तरह गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत भास्कराचार्य था, दुनिया में न्यूटन प्रसिद्ध हुए। उन्होंने भारत के प्राचीन ज्ञान का नई पीढ़ी में प्रसार किए जाने पर जोर दिया

राज्यपाल ने कहा कि विश्व में जब कहीं विश्वविद्यालय नहीं था, तब भारत में 19 विश्वविद्यालय थे। उन्होंने कहा कि ईस्वी सन 725 में रावल पिंडी में तक्षशिला विश्वविद्यालय विश्व का श्रेष्ठ शिक्षा केंद्र था। राज्यपाल ने बप्पा रावल की महानता की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अरबों को भारत से खदेड़ा।

उनके नाम से ही बाद में पाकिस्तान का रावल पिंडी स्थान हुआ। उन्होंने कहा कि गुरुकुल पद्धति भारत की श्रेष्ठ शिक्षा पद्धति रही है। गुरुकुल में किसी एक विषय का नहीं सभी विषयों का ज्ञान दिया जाता था। उन्होंने गुरुकुल गए रघुराई अल्प काल में शिक्षा पाई चौपाई की चर्चा करते हुए कहा कि भगवान राम ने गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की, इसी से वह मर्यादा पुरुषोत्तम बने। राज्यपाल ने प्राचीन ज्ञान परम्परा की चर्चा करते हुए कहा कि विश्व को शून्य का ज्ञान भारत ने दिया। उसी से पूरी दुनिया को गिनती करना आया। दशमलव का ज्ञान, व्याकरण आदि से भारत ने ही विश्व को शिक्षा दी।

उन्होंने जवाहर लाल नेहरू की डिस्कवरी ऑफ इंडिया की चर्चा करते हुए कहा कि मैक्समूलर ने उसमें लिखा है कि महाभारत और रामायण जैसे दो अद्भुत ग्रन्थ भारत ने विश्व को दिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान, आज का बर्मा, श्रीलंका, कंबोडिया, गांधार आदि प्राचीन भारत में ही थे। कश्मीर का शारदा पीठ देश में ज्ञान का बहुत बड़ा केंद्र था। बागड़े ने विनोबा भावे के कहे का उल्लेख करते हुए कहा कि देश आजाद होने के साथ ही जैसे अंग्रेजों का झंडा उतारा गया और बदला गया उसी तरह देश की शिक्षा नीति बदली जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि मैकाले ने जो शिक्षा पद्धति हमें दी उसका मूल आधार ही यही था कि अंग्रेजी के ज्ञान के साथ पश्चिम को श्रेष्ठ साबित किया जाए। उन्होंने कहा कि अंग्रेज चाहते थे कि घरेलू उद्योग बंद किए जाएं, ताकि भारत के लोग भूखे रहे और सदा अंग्रेजों पर आश्रित रहे और गुलाम बने रहे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीयता के मूल्यों में गूंथी हुई है। इसके आलोक में देश को हर क्षेत्र में अग्रणी करने के प्रयास किए जाएं।

डूंगरदास को मिली वास्तविक पहचान, अब सरकारी योजनाओं का मिलेगा लाभ

जयपुर। मातापिता ने नाम रखा डूंगरदास लेकिन पटवारी की लापरवाही से राजस्व रेकार्ड में नाम दर्ज हुआ डूंगरराम। बैंक पास बुक, आधार, जन आधार और अन्य रेकार्ड में असली नाम डूंगरदास चलता रहा। अब उसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि समेत अन्य योजनाओं का लाभ ही नहीं मिल सकता था क्योंकि खेत हो गया डूंगरराम के नाम और बैंक पास बुक डूंगरदास के नाम। एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के चक्कर काट काट कर थक गया और अब यह डर घर कर गया कि नाम दुरुस्ती से पहले ईश्वर के यहां से बुलावा आ गया तो जमीन उसकी संतान के नाम नहीं हो पायेगी क्योंकि जमीन डूंगरराम के नाम है और डूंगरराम नाम का कोई आदमी उस गांव में था ही नहीं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरदास जैसे लोगों की समस्या का समाधान करने के लिए ही ग्रामीण सेवा शिविर अभियान चला रखा है। जैसलमेर जिले की ग्राम पंचायत खींया में आयोजित शिविर में डूंगरदास की जमीन के रेकार्ड में 10 मिनट में उसका गलत नाम डूंगरराम हटा कर वास्तविक नाम दर्ज किया गया। वर्षों से चली आ रही समस्या का शिविर में ही समाधान होने पर डूंगरदास के चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने मुख्यमंत्री की इस जनहितैषी पहल की सराहना करते हुए उनका आभार प्रकट किया है। अब उसे उन सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा, जिनका अब तक पात्र तो था लेकिन नाम में त्रुटि के कारण अब तक वंचित था। जैसलमेर जिले की ही ग्राम पंचायत सादा में आयोजित शिविर में वर्षों से लंबित नाम शुद्धिकरण की समस्या का भी मौके पर ही समाधान किया गया।

स्टोन मार्ट के अगले संस्करण में अधिक से अधिक देशों की भागीदारी, रिकॉर्ड विदेशी खरीददारी पर जोर : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। इंडिया स्टोनेमार्ट 2028 के आयोजन के लिए राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको), सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (सिडोस) और लघु उद्योग भारती के मध्य मंगलवार को त्रि-पक्षीय एमओयू हस्ताक्षर किया गया। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के विश्नोई, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, रीको एमडी सुरेश ओला, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र, संयुक्त राष्ट्रीय महासचिव नरेश पारीक, इंडिया स्टोन मार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा तथा सिडोस के उपाध्यक्ष दीपक अजमेरा सहित बड़ी संख्या में उद्योगपति मौजूद रहे।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान को औद्योगिक हब बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि इंडिया स्टोन मार्ट 2026 सर्वश्रेष्ठ आयोजनों में से एक है। वर्ष 2028 के आयोजन को इससे भी भव्य रूप में आयोजित किया जाए। अभी से इसकी तैयारी शुरू की जाए और देश-विदेश में पत्थर से जुड़े उद्यमियों से चर्चा की जाए। साथ ही, पिछले संस्करण में आर्किटेक्ट्स को आयोजन से जोड़ा गया था, अगले आयोजन में देश के साथ ही विदेश के आर्किटेक्ट्स को राजस्थान के पत्थर के बारे में जानकारी दी जाए। कर्नल राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2028 में होने वाले आयोजन में अधिक से अधिक देशों की भागीदारी, रिकॉर्ड विदेशी खरीददारी, वैश्विक निवेशकों की सहभागिता, आधुनिकीकरण और स्टार्टअप्स पर जोर होना चाहिए। साथ ही, चीन, लंदन और इटली सहित अन्य देशों में होने वाली स्टोन प्रदर्शनियों की खूबियों का भी अध्ययन किया जाना चाहिए। पत्थर उद्योग से जुड़े मशीन, डिजाइन आदि क्षेत्रों से जुड़ने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि सिडोस पत्थर से जुड़ी तकनीक, डिजाइन और टेस्टिंग से जुड़ा है। रीको के पास इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक सामर्थ्य है। वहीं, लघु उद्योग भारती के एमएसएमई सेक्टर विश्वास है। इसलिए यह एमओयू तकनीक, इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योगों के विश्वास का संगम है। इससे इंडिया स्टोन मार्ट-2028 का ऐतिहासिक आयोजन होगा और राजस्थान का पत्थर पूरी दुनिया में पहुंचेगा।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के. के. विश्नोई ने कहा कि राजस्थान में सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नई नीति लागू की गई है। राजस्थान में भी शीघ्र ही सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन शुरू होगा। राज्य सरकार द्वारा हर वो छोटे से छोटा कदम उठाया जा रहा है, जिससे निवेश की प्रक्रिया आसान हो और अधिक से अधिक उद्योग लगें। इसी क्रम में करीब 34 नई नीतियां लागू की गई हैं। उन्होंने कहा स्टोन मार्ट-2026 का आयोजन ऐतिहासिक था। लघु उद्योग भारती सरकार के साथ मिलकर देशहित में नीति-निर्माण का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर एक विशेष सत्र का भी आयोजन किया गया। इसमें इंडिया स्टोन मार्ट - 2028 की तैयारियों के साथ स्टोन इंडस्ट्री में नई तकनीक, नवाचार, वैश्विक बाजार की संभावनाओं, निर्यात संवर्धन और चुनौतियों पर सरकार और प्रदेश की स्टोन इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा की गई। स्टोन मार्ट के अगले संस्करण का आयोजन 17-20 फरवरी, 2028 को होगा। इसमें अधिक से अधिक देशों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, 11 देशों में रोड शो आयोजित किए जाएंगे। इंडिया स्टोनमार्ट 2026 में लगभग 45,000 वर्गमीटर प्रदर्शनी क्षेत्र विकसित किया गया, जिसमें 450 प्रदर्शकों ने भाग लिया। इनमें 59 विदेशी कंपनियां शामिल थीं तथा तुर्किये, चीन एवं ईरान सहित 3 अंतरराष्ट्रीय कंट्री पवेलियन स्थापित किए गए। विश्व के 8 देशों तथा भारत के 15 राज्यों से सहभागिता प्राप्त हुई। गुजरात, मध्यप्रदेश, झारखंड एवं ओडिशा जैसे राज्यों ने पहली बार संगठित राज्य पवेलियन के रूप में भागीदारी की। इस आयोजन में 27,000 से अधिक आगंतुक आए, जिनमें 21,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुक शामिल थे। विश्व के 58 देशों से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि इंडिया स्टोनमार्ट अब केवल भारत का आयोजन नहीं, बल्कि एक वैश्विक व्यापारिक मंच बन चुका है।

इसके अतिरिक्त 400 से अधिक आर्किटेक्ट्स एवं डिजाइन पेशेवरों की सहभागिता ने यह संकेत दिया कि भविष्य में प्राकृतिक पत्थरों की मांग और उपयोग की संभावनाएं और अधिक बढ़ने वाली हैं।

मुख्य सचिव ने बस्सी की मानगढ़ खोखावाला ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर का किया औचक निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार की संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति अपनी सर्वोच्च प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को जयपुर जिले की बस्सी पंचायत समिति के अंतर्गत मानगढ़ खोखावाला ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविर-2026 अभियान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने शिविर स्थल पर राजस्व विभाग सहित अभियान में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे सभी 21 विभागों के काउंटरों का गहन अवलोकन किया और वहां तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों से प्रगति की समीक्षा की। जिला कलक्टर, जयपुर एवं जिला प्रशासन की टीम द्वारा मुख्य सचिव को शिविर में अब तक प्राप्त हुई कुल जन-शिकायतों तथा उनके मौके पर ही किए गए निस्तारण के बारे में विस्तार से अवगत कराया। प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि शिविर में राजस्व अभिलेख/खातों के शुद्धिकरण, आबादी विस्तार हेतु पट्टों को जारी करने, लंबे समय से लंबित नामान्तरकरण व अतिक्रमण के पुराने प्रकरणों का त्वरित विधिक समाधान सुनिश्चित किया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण): पंचायती राज विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत 10 नए व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय एवं सामुदायिक स्वच्छता परिसर की स्वीकृतियां मौके पर जारी की गईं तथा पुराने अक्रियाशील परिसरों को पुनः क्रियाशील करने की कार्यवाही की गई। विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति: जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा ढीले/झूलते तारों व त्रुटिपूर्ण विद्युत पोलों से जुड़ी आमजन की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई। आजीविका संवर्धन: ग्रामीण विकास विभाग (राजीविका) के तहत ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर उनके त्वरित बैंक खाते खुलवाए गए।

हितलाभों का त्वरित वितरण शिविर के दौरान मुख्य सचिव ने आमजन को विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के हितलाभ एवं स्वीकृतियां स्वयं अपने हाथों से वितरित की गयी।

जनप्रतिनिधियों के सुझाव आयोग की अनुशंसाओं को बनाएंगे अधिक व्यावहारिक : अरुण चतुर्वेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सप्तम राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री अरुण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद के दौरान पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय आवश्यकताओं तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि वर्तमान में राज्य वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर अनुदान जारी किया जाता है,

जबकि प्रदेश की जनसंख्या में उल्लेखनीय परिवर्तन हो चुका है। ऐसे में नई जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ग्राम पंचायतों को वित्तीय आवंटन किया जाना चाहिए। बैठक में यह भी सुझाव सामने आया कि राज्य वित्त आयोग के अनुदान की प्रथम किश्त में 80 प्रतिशत राशि जारी की जाए तथा शेष 20 प्रतिशत राशि बाद में उपलब्ध कराई जाए, ताकि विकास कार्यों के क्रियान्वयन में वित्तीय बाधा उत्पन्न न हो। जनप्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पृथक सफाई कर्मियों की व्यवस्था करने का सुझाव दिया। साथ ही स्ट्रीट लाइटों के संचालन में बिजली पर निर्भरता कम करते हुए सोलर ऊर्जा आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने की आवश्यकता जताई। संवाद के दौरान यह मुद्दा भी उठाया गया कि राज्य वित्त आयोग द्वारा आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए तो अनुदान उपलब्ध कराया जाता है, लेकिन उनके रख-रखाव एवं मरम्मत कार्यों के लिए भी पृथक अनुदान का प्रावधान किया जाना चाहिए।

जिन क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्य संतृप्ति स्तर तक पहुंच चुके हैं, वहां इन कार्यों के लिए निर्धारित राशि को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य विकास कार्यों में उपयोग करने की अनुमति प्रदान की जाए। यह भी सुझाव दिया गया कि पूर्व में राज्य वित्त आयोग द्वारा प्राथमिक विद्यालयों को सहायता उपलब्ध कराई जाती थी, लेकिन वर्तमान में अनेक प्राथमिक विद्यालय माध्यमिक विद्यालयों में विलय हो चुके हैं।

नीट पुनर्परीक्षा से पहले कोटा में आज राहुल गांधी का कार्यक्रम, छात्रों से करेंगे संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बुधवार को कोटा में प्रस्तावित छात्र संवाद कार्यक्रम, कथित परीक्षा पेपर लीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान का पहला चरण है। यह कार्यक्रम राजस्थान में विवाद का कारण बन गया है, क्योंकि भाजपा और कुछ छात्रों ने इसकी टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। प्रश्नपत्र लीक होने के बाद राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) रद्द कर दी गयी थी और इसे 21 जून को फिर से आयोजित कराया जा रहा है। कांग्रेस ने जहां अपने कार्यक्रम को पेपर लीक और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं से प्रभावित छात्रों और युवाओं तक पहुंचने का प्रयास बताया है, वहीं भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि देश के 'कोचिंग हब' में नीट जैसी परीक्षा से कुछ दिन पहले ऐसा कार्यक्रम आयोजित करना छात्रों का ध्यान भटका सकता है। इस बीच, कांग्रेस ने गांधी की यात्रा की तैयारियां तेज कर दी हैं। उधर, भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के किसान मोर्चा के नेतृत्व में मंगलवार को कोटा में विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि छात्रों को परीक्षा से पहले अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने दिया जाना चाहिए।

भाजपा नेता राकेश नायक के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने कोटा में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा के सामने इकट्ठा होकर प्रतिमा को आईना दिखाया और ज्ञापन चिपकाकर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया। नायक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान हुई कथित पेपर लीक घटनाओं पर राहुल गांधी ने कभी आवाज नहीं उठाई। उन्होंने सवाल उठाया, कांग्रेस शासन में कई परीक्षाओं के पेपर लीक हुए और अनियमितताएं हुईं, लेकिन राहुल गांधी ने तब छात्रों और युवाओं को याद नहीं किया। अब क्यों याद आ रहा है।

नायक ने दावा किया कि भाजपा सरकार आने के बाद पेपर लीक की घटनाएं बंद हो गई हैं और पुराने मामलों की भी जांच जारी है। इधर,

फाइल फोटो

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शांति धारीवाल ने कहा कि छात्रों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह है। उन्होंने सोमवार को कोटा के कोचिंग संस्थानों का दौरा कर विद्यार्थियों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, छात्र इस मुद्दे की गंभीरता से भली-भांति परिचित हैं और इसी कारण राहुल गांधी की बैठक को लेकर उनमें उत्साह है। कांग्रेस कार्यालय, गुमानपुरा में महिला कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। गांधी का बुधवार का यह कार्यक्रम देशभर में आयोजित होने वाले छात्र सम्मेलनों की शृंखला का पहला आयोजन होगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने जयपुर में बताया कि गांधी का छात्र संवाद कार्यक्रम कोटा के ओपन थिएटर में आयोजित होगा, जहां लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विद्यार्थियों से सीधे बातचीत करेंगे। कार्यक्रम की टाइमिंग पर उठे सवालों के जवाब में चतुर्वेदी ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल नीट ही नहीं, बल्कि सभी पेपर लीक, बेरोजगारी और युवाओं से जुड़े मुद्दों से संबंधित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नीट पुनर्परीक्षा देने वाले छात्र शायद कार्यक्रम में शामिल न हों, लेकिन बड़ी संख्या में जेईई, आगामी नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के इसमें भाग लेने की उम्मीद है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरोप लगाया है कि भाजपा नेता, छात्र संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शामिल होने से हतोत्साहित करने की कोशिश कर रहे हैं।

हालांकि भाजपा ने इन आरोपों से इनकार किया है। गहलोत ने दावा किया कि छात्रों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में कार्यक्रम को लेकर उत्साह है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस कार्यक्रम की प्रतिक्रिया से घबराई हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कोटा सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय से जुड़े पदाधिकारियों पर कोचिंग संस्थानों, पीजी आवास और गेस्ट हाउस संचालकों पर दबाव डालने का आरोप लगाया, ताकि छात्र कार्यक्रम में शामिल न हों।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राजस्थान की कोटा-बूंदी संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

गहलोत ने कहा कि विपक्ष के नेता और छात्रों के बीच संवाद रोकने की कोशिशें लोकतांत्रिक मानदंडों के विपरीत हैं। देश के प्रमुख कोचिंग हब कोटा में करीब 1.2 लाख विद्यार्थी नीट और जेईई की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में 21 जून को होने वाली नीट पुनर्परीक्षा से पहले गांधी का छात्र संवाद कार्यक्रम छात्रों के बीच मिश्रित प्रतिक्रिया पैदा कर रहा है। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम में लगभग दस हजार छात्रों को जुटाने का लक्ष्य रखा है। कांग्रेस ने कहा कि यह अभियान युवाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उजागर करने के लिए है, जिनमें पेपरलीक, बढ़ता परीक्षा शुल्क, भर्ती और शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की कमी शामिल हैं।

राम मंदिर वित्तीय अनियमितता मामले में एसआईटी ने कई लोगों से पूछताछ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में स्थित राम मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय गड़बड़ी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को कई लोगों से पूछताछ की। आधिकारिक सूत्रों ने यहां यह जानकारी दी।

एसआईटी सोमवार को करीब सात-आठ घंटे तक राम मंदिर परिसर में रही थी और मंगलवार पूर्वाह्न 10 बजे से दोबारा जांच शुरू की। सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान एसआईटी ने मंदिर प्रबंधन से जुड़े 10 से अधिक लोगों से पूछताछ की, जिनमें राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ अधिकारी गोपाल राव और कई अन्य प्रमुख लोग शामिल हैं। एसआईटी सदस्यों और ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के बीच किसी बातचीत की अब तक कोई पुष्टि नहीं हुई है।

इस बीच इस मामले में राम शंकर उर्फ टीनू यादव का नाम सामने आया है जिन्होंने मीडिया से बात करते हुए पूरे मामले में अपनी संलिप्तता के आरोपों को बेबुनियाद करार दिया और खुद को निर्दोष बताया। टीनू यादव ने कहा कि जिस कमरे में नकदी की गिनती हुई, उससे उनका कोई लेना-देना नहीं है और उसके प्रभारी दूसरे लोग हैं। अयोध्या के प्रमुख हिंदू नेता, पूर्व कार सेवक और बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी के साथ मुख्य आरोपी रहे संतोष दुबे ने मंगलवार को इस मामले में राम जन्मभूमि थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने शिकायत में ट्रस्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी को मामले में आरोपी बताया है।

उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला ने भी मंगलवार को राम जन्मभूमि थाने में ऐसी ही एक शिकायत दर्ज कराई है। इस बीच, आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर 24 करोड़ की जमीन खरीदने का आरोप लगाया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में जमीन के कागजात की फोटो भी साझा की है और आरोप लगाया है कि चंपत राय ने तीन करोड़ रुपए की नजूल भूमि 24 करोड़ में खरीदी।

ट्रस्ट के अनुरोध के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया था। सरकार के अनुसार, ट्रस्ट ने तथ्यों का पता लगाने और राम मंदिर की छवि खराब करने के प्रयासों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। एसआईटी में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं।

सिक्किम के जोरेथांग में मंदिर में भीषण आग, जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के नामची जिले के जोरेथांग में मंगलवार तड़के प्रतिष्ठित 'श्री सत्य साई निलयम मंदिर' के कुछ हिस्सों में भीषण आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार आग तड़के करीब तीन बजे लगी, जिससे मंदिर के अंदरूनी हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा है।

सूचना मिलने के बाद दमकल और आपातकालीन सेवाओं के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

जैसे ही इस घटना की खबर फैली, स्थानीय लोग मंदिर परिसर में इकट्ठा हो गए। कुछ निवासियों ने आशंका जताई कि यह चोरी के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए की गई आगजनी का मामला हो सकता है।

हालांकि, अधिकारियों ने फिलहाल इससे इनकार किया है और कहा है कि सभी संभावित कोणों से मामले की जांच की जा रही है।

उत्तरी बंगाल के विकास का रोडमैप तैयार, सभी केंद्रीय योजनाओं का लाभ मिलेगा : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के उत्तरी इलाके के विकास के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों को आश्वासन दिया कि केंद्र की सभी योजनाओं का लाभ उन तक आसानी से पहुंचेगा। मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद दार्जिलिंग की पहाड़ियों के अपने पहले दौरे के दौरान शुभेंदु ने कुर्सियोंग में एक जनसभा में कहा कि यह इलाका उनकी सरकार के विकास एजेंडे का मुख्य केंद्र होगा। उन्होंने कहा, ''उत्तर बंगाल के विकास के लिए एक व्यापक रोडमैप पहले ही तैयार किया जा चुका है।'' दार्जिलिंग क्षेत्र में पहुंचने पर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया।

अयोध्या में सक्रिय सनातन विरोधी गिरोह का पता लगाने के लिए गहन जांच होनी चाहिए: अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मांग की कि राम मंदिर में कथित वित्तीय गड़बड़ियों में शामिल सनातन-विरोधी गिरोह का पता लगाने के लिए गहन पड़ताल की जाए। यादव ने मांग ऐसे समय में की है, जब उप्रद सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। सपा प्रमुख ने पोस्ट में कहा आगे-आगे देखिए होता है क्या चढ़ावे से बात चंदे तक पहुंची और चंदे से ज़मीन तक और ज़मीन से अति बहुमूल्य अरबों रूपयों की श्रीराम शिलाओं के गायब होने तक। उन्होंने कहा, भाजपाइयों के गैर पंजीकृत-भूमिगत संगी-साथियों की केवाईसी करवाई जाए। यादव ने लिखा, अयोध्या के इस 'महापाप-महाघोटाले' के पीछे कौन-सा सनातन विरोधी गिरोह काम कर रहा है, इसकी गहरी पड़ताल हो। उत्तर प्रदेश सरकार ने दान की रकम की चोरी और वित्तीय प्रबंधन के आरोपों की जांच के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर निवार को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

राम मंदिर में चढ़ावे की ''चोरी'' की जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से कराई जाए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अयोध्या में श्री राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर मंगलवार को कहा कि उच्च न्यायालय के किसी वर्तमान न्यायाधीश से इसकी जांच कराई जाए और दोषियों को सख्त सजा दी जाए। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया कि एसआईटी जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर ट्रस्ट की दान राशि और वित्तीय प्रबंधन में अनियमितताओं से जुड़े आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है। राय ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''पहले भाजपा-आरएसएस के लोगों ने श्रीरामजन्मभूमि में शिलापूजन के नाम पर खूब पैसे वसूले, जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं है। ये 1,400 करोड़ रुपए से ज्यादा की चोरी है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा भाजपा-आरएसएस ने लोगों की आस्था और भगवान का चढ़ावा ही चोरी कर लिया है। श्रीरामजन्मभूमि में भाजपा-आरएसएस के लोगों ने संगठित लूट की है।''

कांग्रेस नेता का कहना है, ''हमारी मांग है कि इस गंभीर मुद्दे से जुड़ी एसआईटी की रिपोर्ट एक हफ्ते में आनी चाहिए। लेकिन अफसोस है कि एसआईटी में उस अधिकारी को जांच की जिम्मेदारी दी गई है, जिसके ऊपर खुद महाकुंभ में मची भगदड़ से जुड़ी जांच चल रही है।''

राय ने आरोप लगाया कि इस मामले में भाजपा सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। उन्होंने कहा, ''इस मामले में उच्च न्यायालय के किसी वर्तमान न्यायाधीश द्वारा समयबद्ध जांच कराई जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए।''

मानस राष्ट्रीय उद्यान में तीन वर्षों से गैंडे और बाघ के शिकार का कोई मामला नहीं: असम मुख्यमंत्री

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य के मानस राष्ट्रीय उद्यान में पिछले तीन वर्षों के दौरान गैंडे और बाघ के शिकार का एक भी मामला सामने नहीं आया है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय राज्य में वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता को बचाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दिया।

शर्मा ने पोस्ट में कहा, मानस राष्ट्रीय उद्यान में लगातार तीन वर्षों से गैंडे और बाघ के शिकार का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। एक समय था जब अवैध शिकार की घटनाएं अखबारों की सुर्खियां बनती थीं, और आज स्थिति यह है कि शिकार का एक भी मामला न होना सामान्य बात बन गई है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि हमारे वन्यजीवों और जैव विविधता के संरक्षण के लिए असम द्वारा किए गए अथक प्रयासों का प्रमाण है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल मानस राष्ट्रीय उद्यान लगभग 850 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।

'इंडि' गठबंधन को लेकर कांग्रेस और संवेदनशील बने, वाम दल भी सक्रिय भूमिका निभाएं: दीपांकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के भीतर अधिक जिम्मेदार, संवेदनशील और सबको साथ लेकर चलने वाली भूमिका निभानी होगी, जबकि वाम दलों को वैचारिक स्तर पर सक्रिय पहल करते हुए जन आंदोलनों को मजबूत करना चाहिए।

भट्टाचार्य ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि हाल के चुनावी झटकों के बाद 'इंडि' गठबंधन को खुद को फिर से संगठित कर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ना होगा। उनका कहना था, ''गठबंधन बैठक में एक तरह की तात्कालिकता का एहसास था। सभी का मानना था कि अब समय आ गया है कि हम इस प्रक्रिया को फिर शुरू करें और कुछ ठोस करें। भट्टाचार्य ने कहा कि यह बैठक ऐसे समय हुई, जब विपक्षी दलों को पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में बड़े राजनीतिक झटके लगे हैं। ऐसे में गठबंधन को अधिक सक्रिय और उद्देश्यपूर्ण ढंग से काम करना होगा। उनके मुताबिक, विपक्षी दल इस बात से भी अवगत हैं कि परिसीमन का मुद्दा फिर से राजनीतिक एजेंडे में शामिल हो सकता है।

उन्होंने कहा, ''हम अप्रैल में परिसीमन के मुद्दे को फिलहाल टालने में सफल रहे थे, लेकिन मई के इस जनादेश के बाद भाजपा निश्चित रूप से पूरे परिसीमन एजेंडे के साथ फिर आएगी और वह महिला आरक्षण को भी इससे जोड़ने की कोशिश करेगी। इसलिए हमें यह लड़ाई फिर लड़नी होगी।

लखनऊ में सीट न मिलने पर ट्रेन में बम की अफवाह फैलाई, हिरासत में तेलंगाना का युवक

लखनऊ/भाषा। लखनऊ में ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में सीट न मिलने पर बम की झूठी खबर फैलाने के आरोप में एक यात्री को हिरासत में लिया गया है। इस अफवाह से यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई और कई सुरक्षा एजेंसियों को जांच के लिए मौके पर पहुंचना पड़ा। लखनऊ पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान तेलंगाना के निवासी सैनी जैकी (26) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उसने ट्रेन में बैठने की जगह न मिलने के कारण बम की झूठी सूचना दी थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और ट्रेन की गहन तलाशी ली। पुलिस अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। बम की सूचना पूरी तरह फर्जी निकली।

भड़काऊ बयानबाजी के मामले में सांसद अभिषेक बनर्जी से सीआईडी की पूछताछ जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ बयान देने के मामले में तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं सांसद अभिषेक बनर्जी से मंगलवार को राज्य के अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) की पूछताछ जारी है। बनर्जी दोपहर से पहले कोलकाता स्थित सीआईडी मुख्यालय 'भवानी भवन' पहुंचे।

इससे पहले विधायकों के जाली हस्ताक्षर मामले में रविवार को अपराध अन्वेषण विभाग ने और शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव से लंबी पूछताछ की थी। पिछले बृहस्पतिवार को भी सीआईडी ने जाली हस्ताक्षर मामले में उनसे पूछताछ की थी।

राज्य की जांच एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, डायमंड हार्बर से सांसद के लिए सवालों की एक सूची तैयार की गई थी। अधिकारी ने कहा, ''उनसे यह भी पूछा गया कि चुनावी रैलियों के दौरान उनके भड़काऊ बयानों के पीछे क्या मकसद था।''

प्राप्त सूचना के अनुसार पूछताछ के दौरान सीआईडी अधिकारियों ने बनर्जी को उस बैठक का वीडियो फुटेज दिखाया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर वह बयान दिया था। पूछताछ की पूरी प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण और उसकी वीडियोग्राफी भी की जा रही है।

कोचिंग संस्थानों के विवाद की जांच की जा रही, दोषियों को जल्द पकड़ा जाएगा : विजय कुमार चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने मंगलवार को कहा कि पटना में दो कोचिंग संस्थानों के बीच हुए विवाद की जांच बिहार पुलिस कर रही है और मामले के दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। शिक्षक फैसल खान (खान सर) के संस्थान में दो जून को कथित तौर पर एक प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान से जुड़े लोगों ने तोड़फोड़ की थी। इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

खान के प्रतिद्वंद्वी रोशन आनंद को तीन जून को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें सोमवार को जमानत मिल गई, जबकि पटना की एक स्थानीय अदालत ने इससे पहले खान की गिरफ्तारी पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। इस बीच, आनंद की रिहाई से एक दिन पहले उनके भाई की नेपाल में कथित रूप से रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। जेल से बाहर आने के बाद आनंद ने इस मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की।

युवाओं का भविष्य 'ब्लॉक' करने वाले प्रधान का इस्तीफा लें प्रधानमंत्री: खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'टेलीग्राम' ऐप पर अस्थायी प्रतिबंध लगाए जाने का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेना चाहिए, जिन्होंने लाखों युवाओं के भविष्य को 'ब्लॉक' कर दिया है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 की पुनः परीक्षा से पहले मंगलवार को 'टेलीग्राम' ऐप पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि यह कदम नकल गिरोहों से निपटने के लिए उठाया गया है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार ने नीट परीक्षा को फिर से कराने के लिए टेलीग्राम को अस्थायी रूप से ब्लॉक कर दिया है। मोदी जी को सबसे पहले अपने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेना चाहिए, जिन्होंने करोड़ों युवाओं के भविष्य को 'ब्लॉक' कर रखा है।'' उन्होंने दावा किया, ''भारतीय वायु सेना को इस्तेमाल करना हो, टेलीग्राम को ब्लॉक करना हो या फ़िर छोटी मछलियों को पकड़कर पेपर लीक माफ़िया को बचाना हो, ये सब मोदी सरकार को इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि पिछले 10 वर्षों में 90 पेपर लीक हुए हैं, और 9 करोड़ युवा इस धांधली और भ्रष्टाचार को भुगत रहे हैं।''

भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा ट्रंप के साथ उठाएं प्रधानमंत्री: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ तीन भारतीय नाविकों की मौत का विषय उठाना चाहिए। प्रधानमंत्री फ्रांस और स्लोवाकिया की एक हफ्ते की यात्रा पर हैं। वह फ्रांस में जी-7 सम्मेलन के संपर्क सत्र में हिस्सा लेंगे। उनका जी-7 सम्मेलन के दौरान कई देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने का कार्यक्रम है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ भी मुलाकात हो सकती है।

इस बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें निश्चित रूप से यह मुद्दा (अमेरिकी हमले में मारे गए तीन भारतीय नाविकों का मामला) उठाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''यह हैरानी की बात है कि जो हो रहा है, उस पर हमने (सरकार) खुलकर कोई बात नहीं की है।''

पाकिस्तान के खिलाफ पारी से मेरा आत्मविश्वास बढा : रिचा घोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लीड्स/भाषा। पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर खराब फॉर्म को अलविदा कहने वाली भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने कहा कि इस पारी से उन्हें महिला टी20 विश्व कप के बाकी मैचों से पहले आत्मविश्वास मिला है ।

घोष ने 17 गेंद में 34 रन बनाकर भारत को 170 रन तक पहुंचाया था । भारतीय टीम ने बर्मिंघम में रविवार को हुए मैच में पाकिस्तान को 64 रन से हराया। घोष ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच से पहले कहा ,'पाकिस्तान के खिलाफ उस पारी से मुझे काफी मदद मिली क्योंकि इससे मेरा आत्मविश्वास बढा ।'' उन्होंने कहा कि अभ्यास मैच में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक जड़ने से भी उनका मनोबल बढा है । उन्होंने कहा ,'' अभ्यास मैच से भी मेरा मनोबल बढा । बाकी मैचों में भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहूंगी ।''

बंगाल की इस क्रिकेटर ने इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में अर्धशतक जमाया था । इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में 68 रन बनाने से पहले उन्होंने 0, 6, 8, 4 रन बनाये थे । उन्होंने कहा ,'' मैने अपने खेल पर फोकस रखा । नेट्स पर काफी मेहनत की । मैं फॉर्म में थी लेकिन रन नहीं बन रहे थे । मैने हैरी दी (हरमनप्रीत कौर) और स्मृति दी (मंधाना) जैसे सीनियर खिलाड़ियों और कोच से बात की। उन्होंने कहा कि मैं अपना स्वाभाविक खेल दिखाऊं और फोकस करूं । इससे काफी मदद मिली ।''

पता नहीं उसे कैसे उकसाया गया, सूर्यवंशी शांत स्वभाव के : कोच बहुतुले

लखनऊ/भाषा। भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने मंगलवार को कहा कि भले ही यह पता लगाना मुश्किल है कि श्रीलंका ए के खिलाड़ी के साथ मैदान पर वैभव सूर्यवंशी की बहस किस वजह से हुई लेकिन युवा बल्लेबाज इस घटना से सीखेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचेगा। सोमवार को दाम्बुला में त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच में श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर में भारत की हार के बाद 15 साल के इस खिलाड़ी की तीखी बहस हुई थी जो लगभग हाथापाई में बदल गई थी। भारत और अफगानिस्तान के बीच दूसरे एकदिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर बहुतुले ने कहा, ''यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी लेकिन हमें नहीं पता कि उसे कैसे उकसाया गया क्योंकि मैं उसे जानता हूं और वैभव बहुत शांत स्वभाव का लड़का है। लेकिन मुझे यकीन है कि वहां अनुभवी कोच हैं जो उसका मार्गदर्शन करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''श्रीलंकाई खिलाड़ियों को भी सिखाया जाना चाहिए कि कैसा व्यवहार करना चाहिए।''

अरुणाचल मंत्रिमंडल ने एमएसएमई अध्यादेश को दी मंजूरी, ग्रामीण सड़क परियोजना पर भी लगाई मुहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एमएसएमई अध्यादेश, दो हजार करोड़ रुपए के ग्रामीण सड़क संपर्क कार्यक्रम, ज़मीन के इस्तेमाल में बदलाव के नियमों को आसान बनाने और एपीपीएससी के योग्य उम्मीदवारों के लिए उम्र सीमा में एक साल की छूट सहित कई प्रस्तावों पर अपनी मुहर लगा दी।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (स्थापना और संचालन में सुविधा) अध्यादेश, 2026 का उद्देश्य मौजूदा कानूनों के दायरे में रहते हुए, योग्य उद्यमों को स्व-घोषणा प्रणाली के जरिए अपना कामकाज शुरू करने की अनुमति देकर विनियामक बोझ को कम करना है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में बताया कि इस पहल से व्यापार सुगमता बढ़ेगी, उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा, निवेश आकर्षित होगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

सुविचार

मेहनत इतनी खामोशी से करो कि तुम्हारी सफलता चारों तरफ शोर मचा दे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोशल मीडिया के भंवर में बचपन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने संबंधी जो फैसला लिया, वह वक्त की जरूरत है। इससे पहले, मलेशिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट रखने पर रोक लगाने वाले नियम जारी किए थे। भारत सरकार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिएं। देश में लाखों बच्चे ऐसे हैं, जो सोशल मीडिया पर अपना अनमोल समय बर्बाद कर रहे हैं। अभी उन्हें अच्छी बातें सीखनी चाहिएं, किताबें पढ़नी चाहिएं, खेलकूद में भाग लेना चाहिए, प्रकृति के साथ लगाव विकसित करना चाहिए। उन्हें ऐसी गतिविधियों को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए, जो उनके व्यक्तित्व का निर्माण करें। उन्हें स्वस्थ तन, स्वस्थ मन और खुशहाल जीवन के लिए काम करना चाहिए। वे इसके बजाय सोशल मीडिया के भंवर में फंसे रहते हैं। उन्हें पता ही नहीं चलता है कि वे अपना कितना बड़ा नुकसान कर रहे हैं! यह समय कभी लौटकर नहीं आएगा। उन्हें बाद में पछतावा होगा कि सोशल मीडिया की लत ने उनसे क्या-क्या छीन लिया! कुछ घरों में छोटे बच्चों को इसलिए मोबाइल फोन दे दिया जाता है, ताकि वे व्यस्त रहें और कामकाज में बाधा न डालें। इससे बच्चे व्यस्त तो हो जाते हैं, लेकिन यहीं से उनके मन में कुछ गलत आदतों की नींव पड़ जाती है। जब उनसे मोबाइल फोन वापस लिया जाता है तो वे ज़िद करते हैं। कई तो रोने लगते हैं। ऐसे मामले भी सामने आ चुके हैं, जब किसी बच्चे को मोबाइल फोन नहीं मिला तो उसने घर में तोड़फोड़ मचा दी।

जिसका बचपन ऐसा होगा, उसकी जवानी कैसी होगी? इतनी हिंसक, अस्थिर, अनुशासनहीनता की मानसिकता रखने वाला शख्स भविष्य में कैसा नागरिक बनेगा? क्या बच्चों को मोबाइल फोन थमा देना, उन्हें सोशल मीडिया पर कई घंटे बिताने की इजाजत देना उनके साथ अन्याय नहीं है? मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग के कारण किशोरों का भाषाज्ञान प्रभावित हो रहा है। वे लिखने में कई गलतियां कर रहे हैं। वे पढ़ाई पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं। जब वे पढ़ाई करने बैठते हैं तो पास में मोबाइल फोन रख लेते हैं। वे हर पांच-दस मिनट के बाद फोन देखते रहते हैं। उन्हें लगता है कि दुनिया की सबसे जरूरी चीज मोबाइल फोन में है और अगर उसे अभी नहीं देखा तो बहुत बड़े लाभ से वंचित रह जाएंगे। इस दौरान एक समय ऐसा आता है, जब वे सोशल मीडिया पर आकर्षक सामग्री देखते-देखते दो-तीन घंटे बर्बाद कर देते हैं। सोशल मीडिया ऐप्स इस तरह तैयार किए जाते हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग उन पर समय बिताएं। जिस ऐप पर लोग जितना समय बिताते हैं, वह उतना ही कामयाब माना जाता है। यूं तो बड़ों को भी सोशल मीडिया को सीमित समय देना चाहिए, लेकिन बच्चों को इस मामले में अनुशासन का पाठ पढ़ाना जरूरी है। सोलह साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया से दूर रहें तो उनके लिए अच्छा है। चूंकि इस उम्र में भावनाएं प्रबल होती हैं, अच्छे-बुरे की समझ कम होती है, ऐसे में सोशल मीडिया उनके लिए सुरक्षित मंच नहीं है। साइबर ठग इतने शातिर हो चुके हैं कि वे युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक को सोशल मीडिया के जरिए चूना लगा रहे हैं। किशोर उनसे कब तक सुरक्षित रहेंगे? उनकी सुरक्षा, निजता, मन की पवित्रता और उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें सोशल मीडिया से दूर रखना चाहिए। यह आज की बहुत बड़ी आवश्यकता है।

ट्वीटर टॉक

आज का भारत सिर्फ़ सपने नहीं देखता, बल्कि उन सपनों को ज़मीन पर उतारता है। चाहे कश्मीर की घाटियों में बना दुनिया का सबसे ऊँचा चिनाब रेलवे ब्रिज (359 मीटर) हो, या देश के कोने-कोने को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेसिडेंट पेलेग्रिनी और मैं स्लोवाकिया के स्कूली बच्चों का खास योग डेमोंस्ट्रेशन देखकर बहुत खुश हुए। जैसे-जैसे दुनिया इंटरनेशनल योग डे के करीब आ रही है, युवाओं को योग अपनाते देखना बहुत अच्छा लग रहा है। यह देखकर भी खुशी हो रही है ।

–नरेन्द्र मोदी

मैं आज डिग्री पाने वाले 72,000 से ज़्यादा ग्रेजुएट्स को दिल से बधाई देता हूँ। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर, जिनका मानना ड्ड्ड्था कि शिक्षा समाज में बराबरी लाने वाली सबसे बड़ी चीज़ होनी चाहिए, आरजीयूएचएस एकेडमिक एक्सीलेंस और सोशल कमिटमेंट का सिंबल बन गया है।

–डीके शिवकुमार

प्रेरक प्रसंग

बच्चे की सीख

बचपन से ही मुझे अध्यापिका बनने तथा बच्चों को मारने का बड़ा शौक था। अभी मैं पाँच साल की ही थी कि छोटे-छोटे बच्चों का स्कूल लगा कर बैठ जाती। उन्हें लिखाती पढ़ाती और जब उन्हें कुछ न आता तो खूब मारती। मैं बड़ी हो कर अध्यापिका बन गई। स्कूल जाने लगी। मैं बहुत प्रसन्न थी कि अब मेरी पढ़ाने और बच्चों को मारने की इच्छा पूरी हो जाएगी। जल्दी ही स्कूल में मैं मारने वाली अध्यापिका के नाम से प्रसिद्ध हो गई। एक दिन श्रेणी में एक नया बच्चा आया। मैंने बच्चों को सुलेख लिखने के लिए दिया था। बच्चे लिख रहे थे। अचानक ही मेरा ध्यान एक बच्चे पर गया जो उल्टे हाथ से बड़ा ही गंदा हस्तलेख लिख रहा था। मैंने आव देखा न ताव, झट उसके एक चाँटा रसीद कर दिया। और कहा, उल्टे हाथ से लिखना तुम्हें किसने सिखाया है और उस पर इतनी गंदी लिखाई! इससे पहले कि बच्चा कुछ जवाब दे, मेरा ध्यान उसके सीधे हाथ की ओर गया, जिसे देख कर मैं वहीं खड़ी की खड़ी रह गयी क्यों कि उस बच्चे का दायाँ हाथ था ही नहीं। किसी दुर्घटना में कट गया था। यह देख कर मेरी आँखों में बरबस ही आँसू आ गए। मैं उस बच्चे के सामने अपना मुँह न उठा सकी। अपनी इस गलती पर मैंने सारी कक्षा के सामने उस बच्चे से माफ़ी माँगी और यह प्रतिज्ञा की कि कभी भी बच्चों को नहीं मारूँगी।

सामयिक

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एनपीपीए ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए? स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यतः उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े।

इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा और व्यापक होना चाहिए। अनेक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे हैं जो किसी भी बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी की स्थिति में वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा देते हैं। स्वास्थ्य बीमा केवल अस्पताल में भर्ती होने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यक दवाओं और दीर्घकालिक उपचार को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। यह भी आवश्यक है कि सरकार समय-समय पर दवा कंपनियों की लागत संरचना और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्र समीक्षा कराए। यदि वास्तव में लागत बढ़ी है तो उसका प्रमाण सार्वजनिक होना चाहिए। पारदर्शिता से जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और अनावश्यक मूल्यवृद्धि पर भी रोक लगेगी। स्वास्थ्य नीति का मूल उद्देश्य कंपनियों के लाभ और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करना होना चाहिए।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज रफ्तार सड़कों और बढ़ती जीडीपी से नहीं बनेगा। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वहां का सबसे गरीब नागरिक कितना सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ है। यदि एक किसान, मजदूर, कर्मचारी या निम्न आय वर्ग का व्यक्ति बीमारी के समय सम्मानपूर्वक इलाज प्राप्त नहीं कर सकता, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएंगे। आज आवश्यकता केवल दवाइयों की कीमतों पर बहस करने की नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की समग्र समीक्षा करने की है। यह स्वीकार करना होगा कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक मानवीय अधिकार है। जिस राष्ट्र में नागरिकों को स्वस्थ जीवन का अवसर नहीं मिलता, वहां विकास की चमक भी फीकी पड़ जाती है। समय आ गया है कि सरकार, नीति-निर्माता, चिकित्सा जगत और समाज मिलकर यह सुनिश्चित करें कि स्वास्थ्य सेवा लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त उपकरण बने। अन्यथा विकसित भारत का सपना केवल आंकड़ों में चमकेगा, जबकि आम आदमी बीमारी, कर्ज और असहायता के अंधकार में संघर्ष करता रहेगा। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ते भारत के सामने यही सबसे बड़ी नैतिक और मानवीय चुनौती है, जिसका समाधान आज ही तलाशना होगा।

नजरिया

पर्यटन उद्योग के ष्टिकोण से भी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का महत्व अत्यंत अद्वितीय और दूरगामी है। यह हवाई अड्डा विश्व के प्रसिद्ध पर्यटन केंद्रों जैसे आगरा के ऐतिहासिक ताजमहल, मथुरा और वृंदावन की पावन सांस्कृतिक भूमि के बेहद नजदीक स्थित है। अब तक विदेशों से आने वाले पर्यटकों को इन ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों पर जाने के लिए पहले दिल्ली में उतरना पड़ता था और फिर सड़क मार्ग की लंबी और थकान भरी याता करनी पड़ती थी।

जेवर हवाई अड्डे से पहली उड़ान

महेन्द्र तिवारी

उत्तर प्रदेश के विमानन और आर्थिक इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, जिसे जेवर हवाई अड्डे के नाम से भी जाना जाता है, से पहली व्यावसायिक उड़ान का सफल संचालन शुरू होना न केवल इस राज्य के लिए बल्कि पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक और लंबे समय से प्रतीक्षित पल है। इस पहली उड़ान के रनवे पर उतरते ही यह विशाल हवाई अड्डा आधिकारिक रूप से वैश्विक विमानन मानचित्र पर स्थापित हो गया है। लंबे समय से देखी जा रही यह महत्वाकांक्षी योजना अब धरातल पर हकीकत बनकर उतर चुकी है, जो आने वाले समय में उत्तर भारत के विकास की दिशा और दशा को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखती है। इस हवाई अड्डे का चालू होना आधुनिक बुनियादी ढांचे, आर्थिक प्रगति और सुदृढ़ कनेक्टिविटी का एक ऐसा अद्भुत संगम है, जो आने वाले कई दशकों तक देश की अर्थव्यवस्था को नई गति देता रहेगा। उत्तर प्रदेश आज एक्सप्रेसवे और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के विशाल नेटवर्क के साथ एक नए वैश्विक निवेश और आर्थिक केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। विमानन उद्योग की दुनिया में कुछ ऐसी अनूठी और भव्य परंपराएं हैं जो इस क्षेत्र के सम्मान और गौरव को प्रदर्शित करती हैं। ऐसी ही एक अत्यंत प्रतिष्ठित वैश्विक परंपरा वॉटर कैनन सैल्यूट की है, जिसके माध्यम से किसी भी नए हवाई अड्डे पर पहली व्यावसायिक उड़ान का ऐतिहासिक स्वागत किया जाता है। जब उत्तर प्रदेश की ही राजधानी लखनऊ से उड़ान भरकर आई इंडिगो एयरलाइंस की पहली उड़ान ने जेवर हवाई अड्डे के नवनिर्मित रनवे पर पहली बार लैंड किया, तो वहां मौजूद हर व्यक्ति के लिए वह दृश्य अत्यंत विहंगम और भावुक करने वाला था। हवाई अड्डे के अग्निशमन दल के वाहनों ने रनवे के दोनों छोरों पर तैनात होकर पानी की तीव्र बौछारें छोड़ीं और हवा में एक अत्यंत सुंदर और विशाल आर्च का निर्माण किया। पानी की इस भव्य बौछार के बीच से गुजरते हुए विमान का स्वागत करना केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि यह भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नए और सुनहरे युग के उदय का भव्य शंखनाद था। यह सम्मान और उत्सव का वह क्षण था जिसे इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा।

भौगोलिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पिछले कई वर्षों से हवाई यात्रियों और उड़ानों के भारी दबाव का सामना कर रहा है। लगातार बढ़ती जनसंख्या और हवाई यात्रा के प्रति आम लोगों के बढ़ते रुझान के कारण दिल्ली हवाई अड्डे की क्षमताएं अपनी चरम सीमा पर पहुंच रही थीं, जिससे उड़ानों में देरी और भीड़भाड़ जैसी समस्याएं आम हो गई थीं। ऐसे में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन शुरू होना दिल्ली हवाई अड्डे के लिए सबसे मजबूत, प्रभावी और आवश्यक विकल्प के रूप में सामने आया है। इसके पूरी तरह चालू होने से दिल्ली हवाई अड्डे पर विमानों के हवाई ट्रैफिक और यात्रियों की लंबी कतारों का बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। इसका सबसे सीधा और बड़ा लाभ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों जैसे गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा और मेरठ के साथ-साथ पड़ोसी राज्य हरियाणा के कई प्रमुख शहरों के निवासियों को मिलेगा। अब इन क्षेत्रों के लाखों यात्रियों को कोई भी अंतरराष्ट्रीय या घरेलू उड़ान पकड़ने के लिए दिल्ली के भारी ट्रैफिक और जाम से जूझते हुए जाने की मजबूरी नहीं होगी, बल्कि वे सीधे जेवर आकर बेहद कम समय में अपनी सुखद यात्रा शुरू कर सकेंगे।

इस हवाई अड्डे के वर्तमान स्वरूप और भविष्य की विशाल योजनाओं का यदि गहराई से विश्लेषण किया जाए, तो इसका मास्टर प्लान अत्यंत विशाल और विस्मयकारी दिखाई देता है। वर्तमान समय में इस हवाई अड्डे के पहले चरण का निर्माण कार्य पूरी तरह संपन्न हुआ है, जिसके अंतर्गत 1 रनवे और 1 अत्याधुनिक विशाल टर्मिनल का संचालन शुरू किया गया है। लेकिन यह विशाल परियोजना की केवल एक छोटी सी शुरुआत है। आने वाले वर्षों में जब इसके सभी निर्धारित चरण चरणबद्ध तरीके से पूरे हो जाएंगे, तो यह भारत का सबसे बड़ा और पूरे एशिया महाद्वीप के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शीर्ष स्थान पर गिना जाएगा। भविष्य की योजनाओं के अनुसार यहां कुल 5 से 6 रनवे बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे इसकी वार्षिक यात्री वहन क्षमता कई करोड़ तक पहुंच जाएगी। इसके साथ ही, यह हवाई अड्डा आधुनिकतम डिजिटल तकनीक और पर्यावरण संरक्षण के अनूठे समन्वय पर आधारित है। इसे पूरी तरह से एक डिजिटल और ग्रीन एयरपोर्ट के सिद्धांत पर विकसित किया जा रहा है, जिसका मुख्य संकल्प शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करना है, ताकि विकास के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन भी बना रहे।

इस महा-परियोजना के विधिवत शुरू होने से यमुना एक्सप्रेसवे, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और उनके आसपास के तमाम क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को एक नई और अभूतपूर्व ऊर्जा मिलेगी। इस पूरे क्षेत्र की भौगोलिक बनावट ऐसी है कि यह पहले से ही एक बड़े औद्योगिक गलियारे के रूप में अपनी पहचान बना रहा था, लेकिन इस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आगमन ने यहां वैश्विक निवेश की एक बड़ी बाढ़ ला दी है। रीयल एस्टेट के क्षेत्र में इसके कारण एक बहुत बड़ा और सकारात्मक उछाल साफ देखा जा सकता है। हवाई अड्डे के आसपास के सभी कमर्शियल और रेजिडेंशियल इलाकों में जमीनों और संपत्तियों की मांग रातों-रात आसमान छूने लगी है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भारी मजबूती मिली है। दुनिया भर के बड़े औद्योगिक घराने और घरेलू कॉर्पोरेट समूह यहां अपने बड़े प्रोजेक्ट, मॉल, विश्वस्तरीय होटल और व्यावसायिक परिसर स्थापित करने के लिए निवेश कर रहे हैं, जो इस क्षेत्र के शहरीकरण को एक नया और वैश्विक रूप प्रदान कर रहा है।

यात्रियों की सुगम आवाजाही के अलावा यह हवाई अड्डा उत्तर भारत के व्यापार, वाणिज्य और भारी उद्योगों के लिए भी एक मजबूत रीढ़ की हड्डी साबित होने जा रहा है। जेवर हवाई अड्डे को एक विशाल और अत्याधुनिक मल्टी-मोडल कार्गो हब के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। इसके कारण पूरे क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा उद्योग और ऑटोमोबाइल जैसे उद्योगों को भारी प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के स्थानीय लघु और मध्यम उद्योगों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों के लिए भी यह हवाई अड्डा किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि वे अपने फल, सब्जियां और अन्य निर्मित वस्तुओं को बिना समय गंवाए सीधे वैश्विक बाजारों तक सुरक्षित निर्यात कर सकेंगे। रोजगार के मोर्चे पर भी यह परियोजना एक अभूतपूर्व क्रांति लेकर आई है। हवाई अड्डे के दैनिक संचालन, ग्राउंड स्टाफ, सुरक्षा व्यवस्था, रिटेल आउटलेट्स, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर और परिवहन व्यवस्था में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जो स्थानीय युवाओं के भविष्य को संवारने में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

पर्यटन उद्योग के दृष्टिकोण से भी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का महत्व अत्यंत अद्वितीय और दूरगामी है। यह हवाई अड्डा विश्व के प्रसिद्ध पर्यटन केंद्रों जैसे आगरा के ऐतिहासिक ताजमहल, मथुरा और वृंदावन की पावन सांस्कृतिक भूमि के बेहद नजदीक स्थित है। अब तक विदेशों से आने वाले पर्यटकों को इन ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों पर जाने के लिए पहले दिल्ली में उतरना पड़ता था और फिर सड़क मार्ग की लंबी और थकान भरी यात्रा करनी पड़ती थी।

अब जेवर हवाई अड्डे के चालू होने से उन्हें इन समृद्ध सांस्कृतिक धरोहरों तक पहुंचने के लिए एक सीधा, सुगम और अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रवेश द्वार मिल गया है, जिससे क्षेत्र के पर्यटन राजस्व में भारी वृद्धि तय है। यात्रियों की यात्रा को और अधिक निर्बाध बनाने के लिए सरकार इस हवाई अड्डे को यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जैसी देश की सबसे बड़ी सड़क परियोजनाओं से सीधे जोड़ रही है। इसके साथ ही भविष्य में इसे रैपिड रेल नेटवर्क और अत्याधुनिक पॉड टैक्सी जैसी उन्नत प्रणालियों से भी पूरी तरह एकीकृत किया जाएगा। निष्कर्ष के तौर पर यह स्पष्ट है कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पहली कमर्शियल उड़ान की इस ऐतिहासिक शुरुआत ने केवल एक हवाई जहाज को आकाश में नहीं उड़ाया है, बल्कि उत्तर प्रदेश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं, स्थानीय व्यापार और इस पूरे क्षेत्र के बहुआयामी विकास को सचमुच समृद्धि के नए पंख लगा दिए हैं। यह हवाई अड्डा आने वाले स्वर्णिम समय में आत्मनिर्भर भारत और एक आधुनिक, प्रगतिशील उत्तर प्रदेश की सबसे भव्य वैश्विक पहचान बनकर उभरेगा।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

तेलंगाना की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सैफाबाद (हैदराबाद) स्थित स्कूल शिक्षा निदेशालय पर प्रदर्शन कर रहे एबीवीपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया।

भारतीय विमानन बाजार के लिए ए330 नियो विमान बेहतर विकल्पः एयरबस

रियो डी जेनेरियो/भाषा। विमान विनिर्माता एयरबस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि लागत दक्षता में चौड़े आकार वाले ए350 से समानता रखने वाला ए330 नियो विमान भारतीय एयरलाइन कंपनियों के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

एयरबस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विपणन, वाणिज्यिक विमान) जूस्ट वैन डेर हेडेन ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि जटिल वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद एयरलाइंस में विमानों की मांग मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों में एयरबस विमानों की आपूर्ति सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़ी है और ए321 एक्सएलआर विमानों की आपूर्ति में भी तेजी आई है।

भारत के संदर्भ में उन्होंने कहा कि फिलहाल यहां पर करीब 800 विमान परिचालन में हैं और अगले 10 वर्षों में इसमें लगभग नौ प्रतिशत की दर से वृद्धि होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, भारत में हवाई यात्रा की प्रवृत्ति और प्रति व्यक्ति यात्राओं की संख्या में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में प्रति व्यक्ति औसतन 0.13 हवाई यात्राएं होती हैं, जो अगले 10 वर्षों में दोगुनी से अधिक हो जाएंगी।

भारतीय एयरलाइंस की तरफ से ए330 नियो विमान के ऑर्डर की संभावना पर हैडेन ने कहा कि यह विमान इंजन की दक्षता, बेहतर वायु-गतिकी और यात्री अनुभव के चलते लागत के लिहाज से ए350 के बराबर स्तर का है। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ा घरेलू बाजार, घनी आबादी वाले महानगर और मजबूत क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मार्ग नेटवर्क मौजूद हैं।

पूजा-अर्चना

उद्योगपति अनंत अंबानी ने मंगलवार को गुवाहाटी (असम) स्थित ऐतिहासिक शक्तिपीठ मां कामाख्या मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया।

भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाने में 'लगान' मील का पत्थर रही : ए.आर. रहमान

मुंबई/भाषा। फिल्म 'लगान' का संगीत तैयार करते समय संगीतकार ए.आर. रहमान का उद्देश्य ऐसी सुर रचना करना था जो समय की कसौटी पर खरी उतरे और लंबे समय तक लोगों के बीच रहे। वह मानते हैं कि यह फिल्म भारतीय फिल्म संगीत को वैश्विक पहचान दिलाने में मील का एक महत्वपूर्ण पत्थर साबित हुई।

'लगान' की रिलीज के 25 वर्ष पूरे होने पर इस फिल्म के बारे में 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में रहमान ने सोमवार को कहा कि 'लगान' को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मान ने उन्हें कई विदेशी परियोजनाओं तक पहुंचने का अवसर दिया।

निर्देशक आशुतोष गोवारीकर के निर्देशन में बनी और आमिर खान अभिनीत इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म श्रेणी में अकादमी पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। फिल्म के संगीत की भी व्यापक सराहना हुई थी। रहमान ने कहा, मेरी पहली फिल्म से ही मेरी इच्छा थी कि मेरा संगीत दुनिया भर में पहुंचे। ध्वनि निर्माण, गीत, प्रस्तुति, श्रेय और मास्टरिंग पर हमने इसलिए विशेष मेहनत की ताकि यह भविष्य में भी प्रासंगिक बना रहे। मैं चाहता था कि भारतीय संगीत ऐसा हो जिसे पूरी दुनिया पसंद करे। उन्होंने कहा कि 'लगान' की सफलता के बाद उन्हें चीनी फिल्म 'वारियर्स ऑफ हैवेन एंड अर्थ' और अंतरराष्ट्रीय परियोजना 'एलिजबेथ : द गोल्डन एज' जैसी फिल्मों में काम करने का अवसर मिला। रहमान ने कहा, 'लगान' मेरे लिए मील का पत्थर रही क्योंकि यह मेरी शुरुआती फिल्मों में से एक थी जिसे ऑस्कर नामांकन मिला। एक तरह से पूरी दुनिया ने इसे देखा।

साल 1893 की पृष्ठभूमि पर आधारित 'लगान' मध्य भारत के काल्पनिक गांव चंपानेर के किसानों की कहानी है, जिन्हें एक ब्रिटिश अधिकारी क्रिकेट मैच जीतने पर लगान से छूट देने की चुनौती देता है।

रहमान ने बताया कि जब गोवारीकर पहली बार उनके पास फिल्म लेकर आए थे, तब संगीत की कोई तय रूपरेखा नहीं थी और फिल्म का संगीत धीरे-धीरे विकसित हुआ। यह दोनों की पहली साझेदारी थी, जिसके बाद उन्होंने स्वदेस, जोधा अकबर और मोहनजोदड़ो जैसी फिल्मों में भी साथ काम किया। उन्होंने कहा, मेरे पास कई तरह के संगीत विचार होते हैं और मैं निर्देशक की प्रतिक्रिया का इंतजार करता हूं, क्योंकि वही पूरी फिल्म की दृष्टि को समझता है। कभी वह नेतृत्व करता है, कभी हम करते हैं और कभी-कभी कुछ चीजें अपने आप सामने आ जाती हैं।

रहमान ने कहा कि फिल्म के ग्रामीण परिवेश को समझने के लिए टीम भुज गई थी और वहां लोक संगीतकारों से बातचीत की थी। उन्होंने बताया कि पारंपरिक ध्वनियों को आधार बनाकर संगीत तैयार किया गया, हालांकि उसमें आधुनिक वाद्ययंत्रों का भी इस्तेमाल किया गया।

3.30 किलोग्राम का 'नूरजहां' आम, 3,800 रुपए मिले दाम

आलीराजपुर/इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के आलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा क्षेत्र में 'आमों की मलिका' कही जाने वाली 'नूरजहां' किस्म की फसल इन दिनों सुर्खियों में है। उत्पादकों के मुताबिक मौजूदा मौसम में आम की इस दुर्लभ प्रजाति के अब तक के सबसे बड़े फल का वजन 3.30 किलोग्राम रहा जिसे 3,800 रुपए में बेचा गया है।

उनका कहना है कि 'नूरजहां' के पेड़ों पर लगे कुछ बड़े फलों का वजन इस महीने के आखिर तक चार किलोग्राम तक पहुंच सकता है।

इंदौर से करीब 250 किलोमीटर दूर कट्ठीवाड़ा क्षेत्र के आम उत्पादक भरतराज सिंह जादव ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इस मौसम में नूरजहां आम की फसल संतोषजनक रही है। मेरे बाग में अब तक का सबसे बड़ा नूरजहां आम 3.30 किलोग्राम वजन का रहा जिसे मैंने 3,800 रुपए में बेचा। उन्होंने कहा कि उनके बाग में 'नूरजहां' आम के पेड़ों पर अभी कई फल लगे हैं जिनका अंतिम वजन तोड़े जाने के बाद ही पता चलेगा। जादव ने बताया कि उनके बाग में 'नूरजहां' आम के दो पुराने और 11 नये 'ग्राफ्टेड' (कलम लगाकर तैयार किए गए) पेड़ हैं। उन्होंने कहा कि नये पेड़ों पर भी फल आने शुरू हो गए हैं और भविष्य में उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। जादव के अनुसार, इन दिनों 'नूरजहां' आम की मांग मध्यप्रदेश के साथ ही राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात से आ रही है। आम उत्पादक ने बताया कि हाल ही में तमिलनाडु से भी इसके फलों के बारे में पूछताछ हुई है। उन्होंने कहा कि इस मौसम में उनके बाग के 'नूरजहां' आम संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और स्पेन तक भी पहुंचे हैं, हालांकि इन्हें सीधे निर्यात नहीं किया गया बल्कि लोग अपने परिचितों के माध्यम से इन्हें विदेश ले गए।

जादव ने बताया कि उनके बाग में अलग-अलग किस्मों के आमों के करीब 2,500 पेड़ हैं। उन्होंने कहा कि बाग की सुरक्षा के लिए 10 गार्ड तैनात किए गए हैं क्योंकि 'नूरजहां' आम की कीमत अधिक होने के कारण इसकी विशेष निगरानी रखनी पड़ती है।

जादव ने कहा, हम नूरजहां आम की खेती में रासायनिक पदार्थों का इस्तेमाल नहीं करते। हम जंगल और प्राकृतिक स्रोतों से मिलने वाले जैविक अवशेषों का उपयोग पेड़ों की देखभाल में करते हैं।

एक शहर, दो यार : रश्मिका दिखाएंगी कृति सेनन को असली वाला बेंगलूरु

मुंबई/एजेन्सी

अगर कॉकटेल 2 दोस्ती, प्यार, यादगार पल और उन लोगों की कहानी है जो हर एडवेंचर को खास बना देते हैं, तो अब बेंगलूरु भी अपना छोटा सा कॉकटेल मोमेंट जीने वाला है। रश्मिका मंदाना अपनी को-स्टार कृति सेनन को अपने होमटाउन का एक खास दर्शन करवाएंगीपूरे दिन के लिए बनेगी कृति की लोकेशन बेंगलुरु माचा (यानी लोकल गाइड + बेस्ट फ्रेंड कम्बाइन)। फेवरेट कॉफी अंडर से लेकर आइकॉनिक साउथ इंडियन खाने की जगह तक, और वो लोकल फेवरेट्स जो हर टूरिस्ट गाइड में नहीं मिलतेरश्मिका कृति को दिखाने वाली हैं अपना वाला बेंगलुरु, जैसा वो खुद चलने और प्यार करती हैं। क्या वो अपने पुराने हैंगआउटस पर रुकेंगे? या उन जगहों पर रुकेंगी जो रश्मिका की जर्नी को आकार दिया? या फिर रास्ते में कोई छुपा हुआ फूड जेम मिल जाएगा? प्लान पूरा सीक्रेट है भाई! जैसे कॉकटेल 2 दोस्ती की उन कहानियों को सेलिब्रेट करता है जो जिंदगी की बेस्ट स्टोरी बन जाती हैं, वैसे ही ये बेंगलुरु ट्रिप भी होगीदोस्त की नजर से शहर को एक्सप्लोर करने वाली। ना कोई टूरिस्ट चेकलिस्ट, ना फिक्स रूटबस दो दोस्त, एक शहर और ढेर सारे अनपेक्षित पल।

कॉकटेल 2 के प्रमोशन के दौरान, रश्मिका और कृति की ऑफ-स्क्रीन दोस्ती भी फैंस और मीडिया के बीच काफी चर्चा में रही है। उनकी मस्ती भरी नोकझोंक, इवेंट्स के दौरान के कैंडिड मोमेंटस और एक-दूसरे के लिए उनका जेन्युइन प्यारये सब मिलकर इस जोड़ी को कैंपेन का सबसे प्यारा हिस्सा बना चुके हैं। कल का बेंगलुरु आउटिंग उसी दोस्ती का एक्सटेंशन हैउस शहर में जिसे रश्मिका दिल से बढ़ाती हैं। एक दिन के लिए, रश्मिका सिर्फ कृति को बेंगलुरु घुमाएंगी नहींबल्कि अपने घर का एक हिस्सा शेयर करेंगी, पोस्टकार्ड से आगे वाला शहर दिखाएंगी और उन जगहों और यादों से मिलवाएंगी जो इस शहर को इतना खास बनाती हैं। 19 जून को सिनेमा में मिलते हैं कॉकटेल 2 के साथ।

सोना महापात्रा का आवाज में लोक संगीत की मिठास और गायन की खास शैली, गानों के साथ विवादों से भी रहा नाता

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की दमदार आवाजों में शुमार गायिका सोना महापात्रा बुधवार को अपना 50वां जन्मदिन मना रही हैं। 17 जून 1976 को जन्मीं सोना ने अपनी गायकी, स्वतंत्र सोच और बेबाक व्यक्तित्व के दम पर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई यादगार गाने दिए और संगीत की दुनिया में एक विशिष्ट स्थान हासिल किया। सोना का संगीत से जुड़ाव बचपन से ही रहा। हालांकि उन्होंने पढ़ाई के क्षेत्र में भी शानदार उपलब्धियां हासिल कीं। भुवनेश्वर के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से बीटेक (इंस्ट्रूमेंटेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) करने के बाद उन्होंने सिम्बायोसिस, पुणे से एमबीए की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने कॉरपोरेट जगत में भी काम किया और मारिको जैसी कंपनी से जुड़कर पाराशूट और मेडिकर जैसे बड़े ब्रांड्स को संभाला। लेकिन संगीत के प्रति उनका लगाव उन्हें सुरों की दुनिया में खींच लाया। जिंगल्स से अपने संगीत सफर की शुरुआत करने वाली सोना ने वर्ष 2007 में अपना पहला एल्बम 'सोना' रिलीज किया, जिसे श्रोताओं की ओर से बढ़िया प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद उन्होंने कई लोकप्रिय गीतों को अपनी आवाज़ दी और अपनी अलग गायकी शैली से पहचान बनाई।

आमिर खान के चर्चित शो 'सत्यमेव जयते' में उनकी प्रस्तुतियों ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी आवाज में लोक संगीत की मिठास और समकालीन संगीत का मेल साफ दिखाई देता है। पति और संगीतकार राम संपत के साथ मिलकर वह स्वतंत्र संगीत को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार काम कर रही हैं। दोनों ने 'ओमग्राउन म्यूजिक' के जरिए कई प्रयोगात्मक और फोक-पॉप प्रोजेक्ट्स पर काम किया है।सोना महापात्रा सिर्फ एक गायिका ही नहीं, बल्कि अपनी स्पष्ट राय रखने वाली कलाकार के रूप में भी जानी जाती हैं। सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर उनकी बेबाक टिप्पणियां अक्सर चर्चा का विषय बनी हैं। अपने विचारों को खुलकर रखने की उनकी शैली ने उन्हें संगीत जगत की विशिष्ट आवाजों में शामिल किया है। अब, जब सोना महापात्रा अपने जीवन के 50वें पड़ाव में प्रवेश कर रही हैं, उनके प्रशंसक उनके संगीत, व्यक्तित्व और अब तक के सफर को सलाम कर रहे हैं और आने वाले वर्षों में उनकी नई प्रस्तुतियों का इंतजार कर रहे हैं।

लांच

01- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को फ्रांस के नीस स्थित प्रतिष्ठित 'गैलरीज लाफायेट' में भारतीय डिजिटल भुगतान प्रणाली UPI को लॉन्च किया। वैश्विक मंच पर भारत की यह एक और बड़ी उपलब्धि है।

बचत और सही निवेश से ही मिलेगी आर्थिक सुरक्षा : हेली शाह

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में रिलीज हुए ओटीटी शो 'गुल्लक' के पांचवें सीजन में बेहतरीन काम के लिए सुर्खियां बटोर रहीं अभिनेत्री हेली शाह ने वैश्विक टकरावों के बीच पैसे बचाने के महत्व पर अपनी राय साझा की है। इन घटनाओं का असर वैश्विक तेल व्यापार पर भी पड़ा है। अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत में प्रधानमंत्री की अपील के अनुरूप लोगों को सोना न खरीदने की भी सलाह दी। उन्होंने आईएएनएस से कहा, 'गुल्लक' के साथ हमारा रिश्ता बचपन से जुड़ा है। इसका हमारे जीवन में बहुत भावनात्मक महत्व है। पैसे की बचत बहुत जरूरी है, और इसके लिए सही जानकारी होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सही जगहों पर निवेश करना चाहिए, जैसे म्यूचुअल फंड और सोने में निवेश से बचना चाहिए। मेरे पिता ने मुझे पैसे बचाने का महत्व सिखाया है।उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि मेरे पापा ने मुझे कभी बैठकर यह नहीं सिखाया, बल्कि मैंने उन्हें देखकर ही ये आदतें सीख लीं। कितना पैसा एफडी में लगाना है और कितना म्यूचुअल फंड में, यह सब समझ मैंने खुद विकसित की, इसलिए जरूरी है कि आप अपने खर्च को समझदारी से संभालें और पैसे बचाने में सूझबूझ दिखाएं, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है।बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने टेलीविजन से ओटीटी में अपने बदलाव और इस सफर को कैसे संभाला, इस पर भी चर्चा की। उनका मानना है कि टेलीविजन से दूसरे माध्यमों में जाने वाले कलाकारों के लिए अक्सर सबसे बड़ी चुनौती लोगों की बनी-बनाई धारणाओं से बाहर निकलना होता है। टेलीविजन के जरिए मजबूत फैन फॉलोइंग बनाने वाली हेली शाह ने माना कि नए फॉर्मेट में काम करने के बावजूद कई कलाकारों को अब भी टीवी एक्ट्रेस के टैग से देखा जाता है। हालांकि, उनका मानना है कि सही मौके और लगातार अच्छे प्रदर्शन से लोगों की सोच धीरे-धीरे बदली जा सकती है। उन्होंने आईएएनएस से कहा, मेरी पहली चुनौती उस कैटेगरी से बाहर निकलना थी और ऐसे क्षेत्र में जाना था जो मेरे लिए आरामदायक नहीं था, जिसके बारे में मुझे जानकारी नहीं थी और जहां लोग मुझे नहीं जानते थे।

'फैशन' ने बदल दी कंगना रनौत की किस्मत

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत आज इंडस्ट्री की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिन्हें दर्शक आज भी याद करते हैं। इन्हीं में से एक था फिल्म 'फैशन' में शोनाली गुजराल का किरदार। इस फिल्म में कंगना ने एक ऐसी सफल मॉडल की भूमिका निभाई थी, जिसकी जिंदगी नशे की लत की वजह से बर्बाद हो जाती है। उनके इस अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने खूब सराहा था। इन दिनों उनका एक इंटरव्यू तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर के 'द अनुपम खेर शो-कुछ भी हो सकता है' में कंगना ने अपने करियर के मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, '''गैंगस्टर' और 'वो लम्हे' जैसी फिल्मों के बाद भी मेरा करियर वैसी रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा था, जैसी मैंने उम्मीद की थी। मुझे लगने लगा था कि मेरा करियर धीरे-धीरे नीचे जा रहा है और मुझे खुद को साबित करने के लिए एक बड़े मौके की जरूरत है।'' कंगना ने कहा, ''मेरे लिए 'फैशन' फिल्म एक बड़ा मौका था, लेकिन मुझे डर था कि अगर इस फिल्म में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, तो मेरे लिए आगे का रास्ता और मुश्किल हो सकता है। मैंने अपने किरदार की तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी और पूरी मेहनत के साथ खुद को इस भूमिका में ढालने की कोशिश की।'' कंगना ने बताया, ''मैं घर में भी ऊंची हील्स पहनकर चलने की प्रैक्टिस करती थीं ताकि एक मॉडल की चाल-ढाल को अच्छी तरह समझ सकूं। इसके अलावा, मैंने सिगरेट पीने की एक्टिंग की प्रैक्टिस की, नशे से जुड़ी जानकारी जुटाई और उन लोगों से भी मुलाकात की जो कोकीन की लत का शिकार रह चुके थे।''कंगना ने कहा, ''मेरे मन में लगातार यह बात चल रही थी कि यह मेरे करियर का आखिरी बड़ा मौका हो सकता है। यही सोच मुझे लगातार मेहनत करने के लिए प्रेरित करती रही। मैंने पूरी लगन और ईमानदारी के साथ इस किरदार को निभाया और उसका नतीजा भी मुझे शानदार मिला।''बता दें कि फिल्म रिलीज होने के बाद कंगना के अभिनय की हर तरफ चर्चा होने लगी। दर्शकों से लेकर फिल्म समीक्षकों तक, सभी ने उनके काम की तारीफ की थी। इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान भी मिला था। इस फिल्म में उनके साथ मुख्य किरदार में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा भी थीं। प्रियंका के अभिनय को भी काफी सराहना मिली और उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला।

कलियुग का सबसे बड़ा चमत्कार हैं जिनशासन की प्राप्ति : आचार्य कुलबोधिसूरिश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित गुजराती जैनवाड़ी में विराजित आचार्यद्वय श्री कुलबोधिसूरिश्वरजी एवं हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में मंगलवार प्रातः बेसता मास का महामंगलकारी मांगलिक का आयोजन हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महा-मांगलिक का श्रवण किया। आचार्य भगवंतों ने उपस्थित श्रद्धालुओं के मस्तक पर वासक्षेप प्रदान कर मंगल आशीर्वाद दिया। अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी प्रवचन में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने एक श्लोक के माध्यम से एक भक्त द्वारा की गई प्रार्थना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रभु, मेरा जीवन धन्य हो गया क्योंकि मुझे जिनशासन की प्राप्ति हुई। उन्होंने बताया कि इस श्लोक में लब्धं शब्द का प्रयोग हुआ है, जिसका अर्थ है प्राप्ति। सामान्यतः गरीब व्यक्ति धन मिलने पर, रोगी स्वास्थ्य मिलने पर अथवा युवक मनोवांछित जीवनसाथी मिलने पर स्वयं को धन्य मानता है, किंतु वास्तविक धन्यता जिनशासन की प्राप्ति में है।

आचार्यश्री ने कहा कि इस कलियुग में दो बड़े चमत्कार हैं। पहला चमत्कार है जिनशासन की प्राप्ति होना, और दूसरा चमत्कार यह है कि जिनशासन, सुदेव और सुगुरु की प्राप्ति होने के बाद भी यदि व्यक्ति का कल्याण नहीं होता। उन्होंने कहा कि जिनको सामान्यतः जिनशासन नहीं मिला, वे दया के पात्र हैं, परंतु जिनको सब कुछ प्राप्त होने पर भी जीवन सफल नहीं बनता, उन्हें आत्मचिंतन की आवश्यकता है। आचार्यश्री ने जिनशासन को सफल बनाने के तीन महत्वपूर्ण सूत्र बताए, पहला सूत्र बताया आई यानी मैं से बचो। उन्होंने कहा कि हमारे और मोक्ष के बीच सबसे बड़ी बाधा मैं है। मैं यानी अहंकार के भाव और अहंकार व्यक्ति के पतन का कारण बनता है। उन्होंने साधु जीवन की गरिमा के संदर्भ में कहा कि साधु जीवन में भी यदि अहंकार प्रवेश कर जाए तो वह साधु का भी पतन करा सकता है। हाथी और चींटी के दृष्टांत के माध्यम से भी उन्होंने अहंकार से दूर रहने की प्रेरणा दी।

उन्होंने दूसरा सूत्र बताया माई यानी मेरापन से बचो। उन्होंने कहा कि मेरेपन का भाव ही सभी दुखों का मूल कारण है। इस संसार में आत्मा और परमात्मा के अतिरिक्त वास्तव में कुछ भी हमारा नहीं है। बेटा-बेटी, परिवार, संपत्ति, यहां तक कि यह शरीर भी स्थायी रूप से हमारा नहीं है। उन्होंने सरल शब्दों में कहा, इस दुनिया में कुछ भी मेरा नहीं और इस दुनिया में कोई भी मेरा नहीं। उन्होंने एक सुंदर वाक्य जो पत्ते पेड़ के है, फिर भी पेड़ के नहीं होते हैं, तो घोंसला कहां से पेड़ का होगा द्वारा समझाया कि जैसे पेड़ के पत्ते भी अंततः पेड़ के नहीं रहते, वैसे ही संसार के सभी संबंध अस्थायी हैं। उन्होंने तीसरा सूत्र बताया व्हाई यानी क्यों से बचो। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में हर बात पर तर्क-वितर्क और दलीलें करना छोड़ देना चाहिए। जहां समर्पण होता है, वहाँ तर्क नहीं होते। उन्होंने भगवान महावीर के समक्ष जमाली और गौतम स्वामी के प्रसंग का उदाहरण देते हुए बताया कि दलील और अहंकार ने जमाली को भटका दिया, जबकि समर्पण ने गौतम स्वामी को महानता प्रदान की। उन्होंने कहा कि किसी को अपनी पसंद बनाना बड़ी बात नहीं है पर किसी की पसंद बन जाना, वह बड़ी बात है। आज हर जगह मैं की लड़ाई चल रही है। प्रार्थना करो प्रभु! हम मैं, मेरा और क्यों के द्वंद्व से बचें। प्रवचन के अंत में आचार्यश्री ने सभी श्रद्धालुओं को जीवन में जिनशासन की प्राप्ति को सफल बनाने हेतु विनम्रता, समर्पण और आत्मकल्याण की भावना विकसित करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि मन में अभिमान को स्थान न दें, क्योंकि अहंकार ही आत्मा की उन्नति का सबसे बड़ा शत्रु है। इस दौरान गुजराती श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के ट्रस्टी नरेश भाई शाह ने सबका स्वागत किया। महा-मांगलिक कार्यक्रम के लाभार्थी मुथा पवनीदेवी चंपालाल गुलेच्छा परिवार थे।

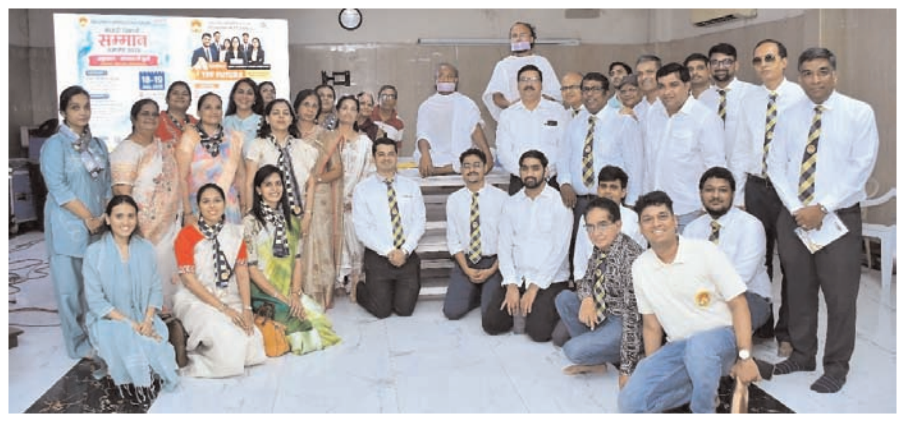

टीपीएफ का स्थापना दिवस समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) का 17वां स्थापना दिवस रविवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर, पुरूषवाक्कम में मुनिश्री डॉ. पुलकितकुमारजी के पावन सान्निध्य में आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में मद्रास विश्वविद्यालय के जैनोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियदर्शना जैन के साथ मुमुक्षु बहन सुमनजी बैद की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। 'स्ट्रांग रुट, स्ट्रांग फ्यूचर - वे ऑफ लाइफ' (सुदृढ संस्कार, सशक्त भविष्य - उत्तम जीवन शैली) विषय पर आयोजित कार्यक्रम में 250 से अधिक श्रद्धालुओं, समाजजनों की उपस्थिति रही। टीपीएफ चेन्नई की अध्यक्ष प्रमीला गोलेच्छा ने सभी का स्वागत किया।

इस अवसर पर डॉ. संगीता बैद ने टीपीएफ के राष्ट्रीय कार्यक्रम 'इनर इंजीनियरिंग फॉर एआई - आध्यात्मिक इंटेलिजेंस' की सफलता की जानकारी देते हुए बताया कि देशभर से 800 से अधिक प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम का लाभ प्राप्त किया। मुख्य वक्ता डॉ. प्रियदर्शना जैन ने जैन जीवन-शैली को मजबूत जड़ों के रूप में प्रस्तुत करते हुए वैज्ञानिक एवं तर्कसंगत दृष्टिकोण से सशक्त भविष्य निर्माण पर प्रकाश डाला। उनके व्याख्यान की उपस्थित जनसमूह एवं संतों ने सराहना की। टीपीएफ द्वारा उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुमुक्षु सुमन बैद का अभिनंदन समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न संघीय संस्थाओं द्वारा उनका सम्मान किया गया। अपने प्रेरक उद्बोधन में मुनिश्री डॉ. पुलकितकुमारजी ने प्रतिक्रियाशीलता के स्थान पर परिस्थितियों को स्वीकार कर चिंतनपूर्वक जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने मुमुक्षु बहन सुमनजी बैद के जीवन को त्याग, जिम्मेदारी और संयम का प्रेरक उदाहरण बताया। मुनिश्री आदित्यकुमारजी ने कहा कि व्यक्ति यदि किसी भी कार्य से पूर्व विचार करने की आदत विकसित करे तो उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है। संचालन टीपीएफ चेन्नई के पूर्वाध्यक्ष प्रसन्न बोथरा ने किया।

मंत्री गौरव सुराना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

राणी दादी का मासिक मंगल पाठ सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। दादी परिवार द्वारा हर महीने कि भांति इस महीने भी एक सौ आठ भागवत कथा के उपलक्ष्य में राणी सती दादी का मंगल पाठ पण्डिआर कल्याण मंडपम में शाम को गणेश वन्दना के साथ चालू किया गया और रात्रि में महाआरती के उपरांत महाप्रसाद वितरित किया गया। मंगल पाठ के इस कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया उसके उपरांत कार्यक्रम मे आये सभी महिलाओं ने मिलकर आपस में दादी को मीठे मीठे भजनों से रिझाया। दादी परिवार कि अध्यक्ष शीलाशाह के साथ इस मौके पर अनेक पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्तदान-महादान

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर समाजसेवी विनोदकुमार पटवा ने मंगलवार को राष्ट्रोत्थान रक्त केन्द्र परिसर में 71वीं बार रक्तदान कर मानव सेवा के प्रति अपनी दो दशक से अधिक पुरानी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया। पटवा ने बताया कि यह उपलब्धि केवल एक संख्या नहीं, बल्कि सेवा की तीन पीढ़ियों की प्रेरणादायक विरासत का प्रतीक है।

काजोल गोल्डलाइन निन्जाज़ टीम बनी 'मनोरंजन कप-2026' विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जरी सिल्क क्रिकेट एसोसिएशन(जेएससी) द्वारा आयोजित जेएससी बैडमिंटन लीग-2026 'मनोरंजन कप' का आयोजन कर्नाटक बैडमिंटन एसोसिएशन में हुआ। इस आयोजन के टाइटल स्पॉन्सर मनोरंजन टेक्सटाइल्स तथा जर्सी स्पॉन्सर श्रद्धा फैशन्स वाले थे। इस प्रतियोगिता में 10 फ्रेंचाइज़ी टीमों और लगभग 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

14 जून को काजोल गोल्डलाइन निन्जाज़ और शगुन स्मैशर्स टीम के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबला हुआ जिसमें दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 5-5 की बराबरी पर समाप्त हुआ और फैसला मैराथन टाई-ब्रेकर से हुआ।

शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए काजोल निन्जाज़ टीम ने मनोरंजन कप 2026 अपने नाम किया, जबकि शगुन स्मैशर्स टीम उपविजेता रही। इस अवसर पर मनोरंजन ग्रुप के बंब परिवार के सदस्यों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया।

सेवा कार्य दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सोमवती अमावस्या के मौके पर 15 जून को पिंजरापोल गौशाला में सेवा एवं पुण्य का विशेष आयोजन किया गया। अध्यक्ष ममता बागड़ी ने मंडल की सदस्यों के साथ गौमाता को प्रेमपूर्वक पौष्टिक आहार अर्पित कर गौसेवा का सौभाग्य प्राप्त किया। साथ ही वहाँ उपस्थित लगभग 125 कर्मचारियों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई तथा भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए छाछ का वितरण भी किया गया। सचिव कुसुम मालपानी ने बताया गौसेवा और जनसेवा, दोनों ही भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं।

दूसरों की अच्छाइयों को स्वीकार करने वाला ही सच्चा धार्मिक : राष्ट्रसंत कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अक्कीपेट जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने मंगलवार को उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक मूल्यों को सांप्रदायिक नजर से देखने वाला अन्य संप्रदाय की अच्छाइयों से वंचित रह जाता है और पंथ मोह से अपनी बुराइयों का त्याग भी नहीं कर सकता है। पूर्वाग्रह और हठाग्रह से ऊपर उठकर हर परंपरा से अच्छाइयों को स्वीकार करता है वही सच्चा धार्मिक है। अपनी अच्छाइयों की प्रशंसा करना और अन्य परंपरा की निंदा करना, अपने को श्रेष्ठ मानना, दोस्तों को नीचा मानना अहंकार का पोषण करना है और आत्मा का पतन करना है। राष्ट्रसंत ने कहा कि विश्व के सभी धर्मों में कहा गया है कि कमियां निकालनी है तो अपनी निकालो और और दूसरों की अच्छाइयां देख कर स्वीकार करने के लिए सदैव तत्पर रहो, यही धर्म आराधना का सच्चा मार्ग है और आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मुनिजी ने कहा कि काला, हरा, पीला जैसा चश्मा लगाएंगे वैसी ही दुनिया नजर आएगी यानी जैसी हमारी दृष्टि वैसी ही दुनिया नजर आएगी। ज्ञानी के लिए दुनिया अमृत है तो अज्ञानी के लिए दुनिया जहर है।

तेरापंथ सभा, राजराजेश्वरीनगर की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथी सभा, राजराजेश्वरी नगर के वर्ष 2026-28 हेतु अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ एवं उनकी कार्यसमिति के दायित्व बोध संकल्प समारोह का आयोजन एक अपार्टमेंट में मुनिश्री विनीत कुमारजी, आकाश कुमारजी, हितेन्द्र कुमारजी एवं पुनीत कुमारजी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। मुनिद्वय ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीवन में कुछ अवसर ऐसे आते हैं जो हमें विशिष्ट कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। जब हम किसी व्यवस्था अथवा दायित्व से जुड़ते हैं तो हमारी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। सफल दायित्व निर्वहन के लिए साहस, सकारात्मक सोच एवं स्पष्ट विजन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धर्मसंघ से जुड़े होने के साथ-साथ धर्म से जुड़ना भी आवश्यक है। ङ्गमहासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करवाया। निवर्तमान अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए अपने 2 वर्ष के कार्यकाल की सफलता का श्रेय अपनी पूरी टीम को दिया। मनीष पगारिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा सहित अन्य प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। राकेश छाजेड़ ने नवमनोनीत अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ को अध्यक्ष पद के दायित्व-बोध का संकल्प करवाया। दुगड़ ने अपनी टीम की घोषणा की जिसमें उपाध्यक्ष सरोज बैद, राजेश छाजेड़, गुलाब बाँठिया, मंत्री अमित नौलखा, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा, सहमंत्री विकास छाजेड़, मनोज बैद, संगठन मंत्री सुशील भंसाली छापर को दायित्व प्रदान किया गया। अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने सभी संस्थाओं एवं अपनी टीम के साथ गुरुदर्शन हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस मौके पर महासभा से संजय बांठिया, विजयनगर के सभाध्यक्ष भंवरलाल मांडोत, यशवंतपुर के सभाध्यक्ष कुंदनमल गन्ना भी उपस्थित थे। निवर्तमान मंत्री गुलाब बाँठिया ने संचालन किया। सहमंत्री विकास छाजेड़ ने धन्यवाद दिया।

कन्नूर से जेद्दा जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान इंजन में खराबी के बाद वापस लौटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर। कन्नूर से जेद्दा जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान विमान के इंजन में खराबी के कारण मंगलवार को रवाना होने के दो घंटे के भीतर ही वापस लौट आई। हवाई अड्डा के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि 180 से अधिक यात्रियों को लेकर इस विमान ने सुबह सात बजकर 40 मिनट पर कन्नूर हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी, लेकिन उड़ान के लगभग दो घंटे बाद पायलट ने इंजन की चेतावनी वाली लाइट (इंजन वार्निंग लाइट) जलती देखी और वापस लौटने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''उड़ान कन्नूर में सुरक्षित रूप से उतर गई और सभी यात्री ठीक हैं।'' उन्होंने बताया कि विमान की जांच करने पर पता चला कि उसके 'फ्यूल फिल्टर' में कुछ खराबी थी। सूत्रों ने बताया कि उतरने से पहले विमान ने ईंधन कम करने के लिए कुछ समय तक हवा में चक्कर लगाया था।

शिक्षक समाज के भविष्य के निर्माता होते हैं : आचार्यश्री नित्यानंदसूरी

बेंगलूरु चातुर्मास करने आ रहे आचार्यश्री पहुंचे हुब्बल्ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। गच्छाधिपति आचार्य पद्मश्री नित्यानंद सूरीश्वरजी मंगलवार को एसजेआरवीपी मंडल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स परिसर में पधारे। आचार्य ज्ञातव्य है कि आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी बेंगलूरु के गोड़वाड़ भवन में चातुर्मास करने आ रहे हैं। इस अवसर पर आचार्यश्री ने प्रबंधन समिति, प्राचार्यों, प्रशासक, संस्थाओं के कर्मचारी गण, विद्यार्थियों तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करते हुए शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिकता एवं व्यक्तित्व निर्माण के महत्व पर प्रेरणादायी संदेश दिया। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि शिक्षक समाज के भविष्य के निर्माता होते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों से अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी, समर्पण, विनम्रता, सेवा-भाव,अनुशासन एवं निष्ठा के साथ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुस्तक आधारित शिक्षा ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान, आध्यात्मिक चिंतन, दैवीय संस्कार, नैतिक शिक्षा, मानवीय मूल्य, भारतीय संस्कृति, जीवन कौशल एवं श्रेष्ठ चरित्र निर्माण के सिद्धांतों का भी ज्ञान दिया जाना चाहिए। ऐसी समग्र शिक्षा ही विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक, आदर्श व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले सक्षम नागरिक बनाती है। आचार्यश्री ने यह भी कहा कि जब किसी शैक्षणिक संस्था का प्रत्येक सदस्य एकता, अनुशासन, समर्पण और निस्वार्थ सेवा की भावना से कार्य करता है, तभी वह संस्था उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करती है। इस मौके पर संस्थान के पदाधिकारियों ने आचार्यश्री के दिव्य आगमन को ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। ङ्गङ्गइस मौके पर संस्था के अध्यक्ष भवरलाल जैन, सचिव भरत भंडारी सहित अन्य पदाधिकारीगण, प्राचार्य, प्रशासक, कर्मचारीगण, विद्यार्थी, अभिभावक उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.